





# राष्ट्रभक्ति के रंग में सराबोर हुआ भैरून्दा, तिरंगे की शान में कदम से कदम मिलाकर चला नगर

एक किलोमीटर तक लहराया तिरंगा, देशभक्ति के जयघोष से गुंजायमान हुआ सम्पूर्ण नगर

विष्णु प्रसाद राठौर विशेष संवाददाता

**भैरून्दा।** हर घर तिरंगा अभियान-2026 के अंतर्गत भैरून्दा नगर में गुरुवार को राष्ट्रभक्ति का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। नगर परिषद एवं प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर सम्पूर्ण नगर को तिरंगामय कर दिया।

**बीवीएम स्कूल से हुआ शुभारंभ** –यात्रा का शुभारंभ प्रातः 9:30 बजे सीहोर मार्ग स्थित बीवीएम स्कूल के प्रांगण से हुआ। राष्ट्रीय ध्वज को हाथों में धारण कर जैसे ही सहभागীগण आगे बढ़े, सम्पूर्ण वातावरण भारत माता की जय एवं वंदे मातरम् के उद्घोषों से गुंजायमान हो उठा।

यात्रा बीवीएम स्कूल से प्रस्थान कर सीहोर नाका होते हुए नगर के प्रमुख मार्गों एवं बाजारों से गुज़रते हुए बस स्टैंड पर पहुंचकर सम्पन्न हुई।

**तिरंगों से पटी सड़कें, उमड़ा**

**जनसैलाब** –यह यात्रा लगभग एक किलोमीटर की दूरी तक विस्तृत थी। मार्ग के दोनों ओर लहराते हुए तिरंगे एवं सहभागियों की विशाल संख्या नगर की एकता एवं राष्ट्रप्रेम का प्रतीक बनी।

अग्रिम पंक्ति बस स्टैंड तक पहुंच चुकी थी, जबकि अंतिम पंक्ति अभी भी बीवीएम स्कूल के समीप थी। प्रतिकूल मौसम एवं वर्षा के उपरांत भी नागरिकों का उत्साह किंचित मात्र भी न्यून नहीं हुआ। मार्ग में नागरिकों द्वारा पुष्पवर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया गया।

**जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी रहे उपस्थित** –इस अवसर पर निगम मंडल अध्यक्ष श्री रवि मालवीय, जिला महामंत्री श्री जितेंद्र गौड़, नगर परिषद अध्यक्ष श्री मारुति शिशिर, मंडल अध्यक्ष श्री आशीष शर्मा, किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राजेश पंवार, नगर परिषद उपाध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा रिंतेश मकवाना, सीएमएओ श्री राम प्रसाद भावरे सहित समस्त पार्षदगण उपस्थित रहे।

प्रशासनिक स्तर पर अनुविभागीय

अधिकारी श्री सुधीर कुशवाह, तहसीलदार श्री सौरभ शर्मा, नायब तहसीलदार श्री रामदास गोरले, अनुविभागीय पुलिस अधिकारी श्री रोशन कुमार जैन, थाना प्रभारी श्री घनश्याम दांगी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारीगण भी यात्रा में सम्मिलित हुए।

**बाल विद्यार्थियों में दिखा राष्ट्रप्रेम का उत्साह** –यात्रा की शोभा विद्यालयीन छात्र-छात्राओं के कारण अत्यधिक बढ़ गई। नन्हे-नन्हे हाथों में तिरंगा धारण कर, मुख पर राष्ट्रभक्ति का भाव लिए हुए बालक-बालिकाएं कदमताल करते हुए चल रहे थे। शिक्षकगण भी विद्यार्थियों के साथ सहभागी बनकर चले।

**पुलिस प्रशासन ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका**–विशाल जनसमूह के कारण यातायात व्यवस्था बनाए रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। भैरून्दा पुलिस प्रशासन ने तत्परता एवं मुस्तैदी के साथ सम्पूर्ण मार्ग पर यातायात को सुचारू रखा।

पुलिस के समुचित प्रबंधन के कारण यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार

की अव्यवस्था नहीं हुई।

**राष्ट्रगान के साथ हुआ समापन** –बस स्टैंड पर पहुंचकर यात्रा का समापन राष्ट्रगान के सामूहिक गायन के साथ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित समस्त नागरिकों ने राष्ट्रध्वज को सलामी दी।

नगर परिषद अध्यक्ष श्री मारुति शिशिर ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह यात्रा प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान एवं राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का स्मरण कराती है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानियों तथा भगवान बिरसा मुंडा एवं टंट्या मामा जैसे आदिवासी वीरों के त्याग को स्मरण करते हुए युवाओं से आह्वान किया कि वे शिक्षा एवं परिश्रम के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें।

तिरंगे की छाया में अधिकारी से लेकर विद्यार्थी तक एकत्रित होकर भैरून्दा नगर ने देश की एकता, अखंडता एवं समरसता का अनुपम संदेश दिया। इस आयोजन ने नगरवासियों के हृदय में राष्ट्रप्रेम की भावना को और अधिक प्रगाढ़ किया।

## स्वतंत्रता दिवस पर शहीद परिवार के निवास पहुंच कर प्रशासन ने शहीद की पत्नी का किया सम्मान

प्रदीप कुमार

देश की आजादी के 80 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहीदों के बलिदान को नमन करते हुए बैरसिया तहसीलदार आदित्य जांगले एवं नायब तहसीलदार राजेंद्र त्यागी शहीद रमेश कुमार सेन के वार्ड क्रमांक 16 स्थित निवास पर पहुंचे। यहां उन्होंने शहीद की पत्नी श्रीमती लक्ष्मी सेन का सम्मान कर शहीद परिवार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

इस अवसर पर परिवार के सदस्यों ने भी अपने शहीद पिता को भावुक होकर याद किया। बच्चों का कहना था कि स्वतंत्रता दिवस पर पिता की याद और भी गहरी हो जाती है, लेकिन सच यह है कि पिता को हम किसी एक दिन नहीं, बल्कि हर दिन याद करते हैं। उनकी यादें और देश के लिए दिया गया बलिदान हमेशा हमारे साथ है।

शहीद रमेश कुमार सेन के परिवार में उनकी पत्नी श्रीमती लक्ष्मी सेन, दो बेटे ऋषभ सेन और रोहित सेन तथा बेटी बबली सेन हैं। बड़ा बेटा ऋषभ अपनी मां के साथ रहता है, जबकि रोहित सेन भी भारतीय सेना में सेवाएं देकर देश की रक्षा में अपना योगदान दे रहा है। पिता के पदचिह्नों पर चलते



हूए बेटे का देशसेवा में होना पूरे परिवार के लिए गर्व का विषय है। तहसीलदार आदित्य जांगले एवं नायब तहसीलदार राजेंद्र त्यागी ने परिवार से भेंट कर शहीद के त्याग और बलिदान को नमन किया। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा

सकता। उनके परिवारों का सम्मान करना समाज और शासन की जिम्मेदारी है। शहीद रमेश कुमार सेन का बलिदान आज भी उनके परिवार की यादों में जीवित है। स्वतंत्रता दिवस पर किया गया यह सम्मान उस वीर सपूत को सच्ची श्रद्धांजलि है, जिसने देश की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

## प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत विशेष पंजीकरण अभियान प्रारंभ

**सतना।** असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के अंतर्गत सतना जिले में विशेष पंजीकरण अभियान प्रारंभ किया गया है। सहायक श्रमायुक्त रीवा संभाग सतना द्वारा बताया गया कि इस योजना के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिकों को 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर प्रतिमाह 3 हजार रुपये की सुनिश्चित पेंशन प्रदान की जाती है। योजना में 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के वे श्रमिक पात्र हैं, जिनकी मासिक आय 15

हजार रुपये या उससे कम है। इस योजना की विशेषता यह है कि इसमें श्रमिक द्वारा जमा किए जाने वाले अंशदान के बराबर ही केन्द्र सरकार भी योगदान देती है। अंशदान की राशि आयु के अनुसार प्रति माह 55 रुपये से 200 रुपये तक निर्धारित की गई है। इस प्रकार यह योजना असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए भविष्य की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करती है। योजना का लाभ रिकशा चालक, रेहड़ी-पटरी विक्रेता, निर्माण श्रमिक, घरेलू कामगार, कृषि मजदूर, कूड़ा बीनने वाले, मछुआरे,

दर्जी, धोबी, नाई सहित अन्य असंगठित श्रमिक वर्ग उठा सकते हैं। पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाते हुए श्रमिकों के लिए कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इच्छुक श्रमिक अपने निकटतम सीएससी केंद्र पर जाकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ पंजीकरण कर सकते हैं। इसके अलावा ग्राम पंचायत स्तर पर जीआरएस, शहरी क्षेत्रों में वार्ड प्रभारी अथवा स्वयं के माध्यम से पीएम श्रमयोगी मानधन योजना में पंजीयन करा सकते हैं।

## मुख्यमंत्री जनविश्वास शिविर 14 अगस्त को नगर निगम सतना में आयोजित होगा

**सतना।** मुख्यमंत्री की मंशानुरूप शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने तथा आमजन की समस्याओं और शिकायतों का मौके पर त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री जनविश्वास शिविर का आयोजन 14 अगस्त को किया जा रहा है। शिविर का आयोजन प्रातः 10 बजे से नगर पालिक निगम सतना परिसर में होगा। शिविर में कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, नगर निगम आयुक्त सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं संभाग स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

## डीनेरो फूडवर्क्स में एकेएस विश्वविद्यालय के दो विद्यार्थियों का चयन

गुणवत्ता आश्वासन पद पर 2.50 लाख रुपये वार्षिक पैकेज, इंदौर में होगी नियुक्ति

**सतना।** ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना के खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग के दो विद्यार्थियों ने कैम्पस प्लेसमेंट में सफलता हासिल की है। डीनेरो फूडवर्क्स प्रा. लि. द्वारा 28 जुलाई 2026 को आयोजित आभासी कैम्पस प्लेसमेंट में विश्वविद्यालय के दो विद्यार्थियों का चयन गुणवत्ता आश्वासन (क्यूए) पद के लिए हुआ है। चयनित विद्यार्थियों में बी.टेक. खाद्य प्रौद्योगिकी के रवि कुमार डोहर और काजल दहायत शामिल हैं। दोनों विद्यार्थियों का चयन 2.50 लाख

व्यावहारिक समझ का आकलन किया गया। चयनित विद्यार्थियों ने अपनी योग्यता और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए कंपनी की चयन प्रक्रिया में सफलता प्राप्त की। खाद्य प्रौद्योगिकी के विद्यार्थियों के लिए गुणवत्ता आश्वासन के क्षेत्र में यह नियुक्ति व्यावसायिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण अवसर है। विद्यार्थियों की सफलता पर विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रमुख बालेंद्र विश्वकर्मा, मनोज सिंह और प्रफुल्ल गौतम ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का प्रतिष्ठित खाद्य उद्योग में चयन उनके परिश्रम, विषयगत ज्ञान और व्यावहारिक प्रशिक्षण का परिणाम है। प्रशिक्षण एवं नियोजन विभाग विद्यार्थियों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने तथा उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। विश्वविद्यालय परिवार ने रवि कुमार डोहर और काजल दहायत को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल एवं सफल करियर को कामना की।

## नकली के बाजार में असली जिंदगी दांव पर!

**पनीर से दवा तक मिलावट का जाल, थाली में जहर और बाजार में मुनाफाखोरी!**

**पन्ना।** पन्ना आज के समय में बाजार में सबसे बड़ा संकट महंगाई से भी गंभीर है सवाल यह है कि जिस सामान को हम असली समझकर खरीद रहे हैं, वह वास्तव में असली है भी या नहीं? पनीर, ची, शहद, तेल, दूध, खोवा और मसालों से लेकर आटा, चावल और दाल तक मिलावट की शिकायतें आम होती जा रही हैं। उपभोक्ता अपनी मेहनत की कमाई खर्च कर रहा है, लेकिन बदले में उसे शुद्ध खाद्य पदार्थ की गारंटी नहीं मिल पा रही। चिंता सिर्फ खुले बाजार की वस्तुओं तक सीमित नहीं है। ब्रांडेड उत्पादों के नाम पर बिकने वाले शहद और ची की गुणवत्ता को लेकर भी समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। जब प्रतिष्ठित नाम से खरीदी गई वस्तु पर भी उपभोक्ता को भरोसा न रहे, तो फिर आम आदमी आखिर किस पर विश्वास करे?

सबसे भयावह स्थिति तब बनती है जब नकली दवाओं और संदिग्ध चिकित्सा उत्पादों का कारोबार सामने आता है। दवा वह चीज है जिसे इंसान बीमारी से बचने और स्वस्थ होने की उम्मीद में खरीदता है। अगर वही नकली निकले तो यह केवल आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि मानव जीवन के साथ गंभीर खिलवाड़ है। नकली खाद्य पदार्थों का प्रभाव कई बार तुरंत दिखाई नहीं देता। लगातार मिलावटी या घटिया भोजन शरीर पर धीरे-धीरे असर डाल सकता है। व्यक्ति इलाज कराता रहता है, दवाइयां खाता रहता है, लेकिन बीमारी बार-बार लौटती रहती है। ऐसे में केवल अस्पताल और दवा को दोष देना पर्याप्त नहीं-रसोई में पहुंच रहे भोजन की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाना होगा। यहां एक और गंभीर सवाल है-क्या मिलावटखोरों के लिए मुनाफा इंसानी जिंदगी से बड़ा हो गया है?

त्योहारों के समय कुछ छापे, कुछ सैपल और कुछ कार्रवाई करके मिलावट के इस विशाल कारोबार को खत्म नहीं किया जा सकता। खाद्य एवं औषधि प्रशासन को नियमित निगरानी, प्रभावी सैंपलिंग, प्रयोगशाला जांच और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जरूरत है। कार्रवाई ऐसी हो कि मिलावट करने वाला अगली बार किसी की थाली में जहर परोसने से पहले सी बार सोचे। आम उपभोक्ता को भी जागरूक होना होगा। सस्ता सामान हमेशा सस्ता नहीं होता-कभी-कभी उसकी कीमत स्वास्थ्य से चुकानी पड़ती है। पैकेट की सील, लेबल, निर्माण एवं समाप्ति तिथि, लाइसेंस संबंधी जानकारी और बिल की जांच करना जरूरी है। आज जरूरत केवल नकली पनीर, नकली घी या नकली शहद पकड़ने की नहीं है। जरूरत उस पूरे नकली तंत्र को पकड़ने की है, जो मुनाफे के लिए इंसान की सेहत को बाजार की वस्तु बना रहा है। क्योंकि सवाल सिर्फ यह नहीं कि बाजार में क्या बिक रहा है-सवाल यह है कि हमारी अगली पीढ़ी क्या खा रही है और उसके स्वास्थ्य की जिम्मेदारी आखिर किसकी है?

## विश्व हाथी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम

**पन्ना।** दक्षिण पन्ना वनमंडल के कल्दा परिक्षेत्र अंतर्गत शासकीय माध्यमिक विद्यालय जुर्सिहा में सर्पदंश जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान दक्षिण पन्ना वनमंडल द्वारा तैयार सर्पदंश की रोकथाम एवं सर्पदंश में प्राथमिक उपचार संबंधी संदेशों पर आधारित सांप-सीढ़ी गेम विद्यार्थियों को वितरित किया गया। खेल के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं ग्रामवासियों को सर्पदंश से बचाव तथा सर्पदंश की स्थिति में सही प्राथमिक उपचार के संबंध में रोचक एवं सरल तरीके से जागरूक किया गया। कार्यक्रम में वनरक्षक श्री वीरेंद्र पटेल, ग्राम वन समिति जुर्सिहा के अध्यक्ष श्री अरुणपाल यादव सहित विद्यालय के शिक्षक एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

दिनांक 12 अगस्त 2026 को विश्व हाथी दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न जागरूकता एवं शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डी.ए.वी. स्कूल, मझगवाँ में हाथी संरक्षण विषय पर आधारित चित्रकला, निबंध एवं किता प्रतियोगिताओं का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया, जिसमें 50 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने हाथियों के संरक्षण एवं उनके पारिस्थितिकीय महत्व पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण के रूप में, पार्क प्रबंधन द्वारा हांथी कैम्प हिनोता में विभिन्न हाथी कैंपों से हाथियों को एक स्थान पर एकत्रित कर उनका सामूहिक

मिलन कराया गया। इस दौरान हाथियों को उनके पसंदीदा फल, गुड़ एवं आदि खिलाया गया। पार्क प्रबंधन द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को वन एवं वन्यजीव संरक्षण, विशेषकर हाथियों की पारिस्थितिकी तंत्र में उपयोगिता एवं उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर पार्क प्रबंधन द्वारा वत्सला हथिनी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई, जो विश्व की सबसे उम्रदराज हथिनियों में से एक थीं। उनके प्रति सम्मान प्रकट करते हुए उनके संरक्षण में पार्क प्रबंधन की भूमिका को स्मरण किया गया। यह कार्यक्रम वन तथा वन्यजीवों के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था, पन्ना टाइगर रिजर्व प्रबंधन वन एवं वन्यजीवों के संरक्षण हेतु सदैव प्रतिबद्ध है।

## दक्षिण पन्ना वनमण्डल के मोहनन्दा परिक्षेत्र में सीलोन ओक (कुम्भी) वृक्ष की पहचान

**पन्ना।** दक्षिण पन्ना वनमण्डल के मोहनन्दा वन परिक्षेत्र में नियमित वन गश्त के दौरान एक दुर्लभ सीलोन ओक (कुम्भी) वृक्ष की पहचान की गई। वनपाल जगदीश प्रसाद अहिरवार ने बीट पश्चिम मोहनन्दा के वन कक्ष 1232 में इस वृक्ष को चिन्हित किया। इसका वानस्पतिक नाम केरिया अवॉरिसा है, जो लेसिथाइडेसी कुल का सदस्य है। इसे सामान्यतः सीलोन ओक, जंगली अमरूद तथा संस्कृत में कुम्भी के नाम से जाना जाता है। इसके घड़े (कुम्भ) के समान आकार के फल, बड़ी एवं चिकनी

यह वृक्ष सामान्यतः 15 से 48 फीट तक ऊँचा होता है तथा इसके फल रसीले एवं स्वादिष्ट होते हैं। आयुर्वेद एवं लोक चिकित्सा में इसकी छाल और पत्तियों का उपयोग घाव भरने, खाँसी तथा पेट संबंधी समस्याओं के उपचार में किया जाता रहा है। वर्तमान समय में प्राकृतिक वनों में यह प्रजाति अपेक्षाकृत दुर्लभ होती जा रही है। दक्षिण पन्ना वनमण्डल ने इस महत्वपूर्ण वनस्पति को उपस्थिति को क्षेत्र की समृद्ध जैव विविधता का प्रतीक बताते हुए ऐसे दुर्लभ वृक्षों के संरक्षण एवं संवर्धन की आवश्यकता पर बल दिया।

## वन अमले ने गांधीगिरी से रोका अतिक्रमण, समझाइश से ग्रामीण हुए सहमत

**पन्ना।** दक्षिण पन्ना वनमण्डल के शाहनगर वन परिक्षेत्र अंतर्गत मरहा सर्किल की ताला बीट के वन कक्ष 1050 में मानसून गश्ती अभियान के दौरान वन अमले ने अतिक्रमण प्रभावित क्षेत्र में अवैध कब्जे का प्रयास कर रहे कुषकों से संवाद स्थापित कर उन्हें समझाइश दी। गश्ती दल ने रूटशूट रोपण की जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रकार का रोपण आगामी वर्षों में क्षेत्र के पर्यावरण संरक्षण के साथ साथ आसपास के किसानों के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगा। सकारात्मक संवाद और समझाइश के परिणामस्वरूप संबंधित कुषक बिना किसी विवाद के सहर्ष रोपण कार्य कराए जाने के लिए तैयार हो गए तथा उसकी सुरक्षा में भी पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

**पन्ना।** शहर के विभिन्न बाड़ों के लगभग 250 भूमिहीन आवासहीन जो शहर में आवासीय भूखंड पाने की दिशा में बीते सर्वेक्षणों में पात्र पाये गये लेकिन उन्हें आज तक पट्टे नहीं मिले जैसे -रज्जू लाल रावत, अजय पांडेय, जगदीश सेन, के के भागवत, रवि कोरी, महेश कोरी, शंकरिया कुशवाहा, कीशल्या विश्वकर्मा,बेटी बाई इत्यादि के नाम उल्लेखनीय हैं। गत दिवस 8 अगस्त, 2026 को पट्टे पाने हेतु उक्त इच्छुकजन समाजसेवी लक्ष्मी नारायण नारायण चिरोलया के साथ स्थानीय सर्किट हाउस पहुंचे जहां जिले के प्रभारी मंत्री श्री इंंदर सिंह परमार से भेंट कर शिकायती आवेदन सौंपा जिसमें उल्लेख किया गया है कि पन्ना नगर में भूमिहीन आवासहीनों के लिए

आवासीय पट्टे प्रदान करने के संबंध में बीते 8 वर्षों में चार बार सर्वे हुआ मगर पात्रों के लिए अभी तक आवासीय पट्टे प्रदान नहीं किये गये हैं जिसकी शिकायतें सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई में प्रस्तुत हैं। इसके अतिरिक्त कई बार जनप्रतिनिधियों सहित संबंधित अधिकारियों के लिए भी अवगत कराया जा चुका है।

शिकायती आवेदन में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि कई बार पन्ना प्रवास के दौरान आपके लिए शिकायतें भेंट की जा चुकी हैं परंतु एसडीएम पन्ना के द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इसके अतिरिक्त शिकायती आवेदन में उल्लेख किया गया है कि उक्त संबंध में सैंकड़ों बार समाचार पत्रों में भी खबरें भी

प्रकाशित हो चुकी हैं बावजूद इसके भी एसडीएम पन्ना द्वारा समस्या का अभी तक कोई निराकरण नहीं किया गया है। ज्ञापन के अंत में लिखा गया है कि पात्र भूमिहीन आवासहीनों के लिए शीघ्र ही आवासीय पट्टे दिए जाएं जिससे भूमिहीन आवासहीन पट्टे पाकर मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान को मजबूत बना सकें।



## हरिओम संस्था ने कराया जरूरतमंद व्यक्ति का अंतिम संस्कार

**इटारसी।** सामाजिक सरोकार और मानव सेवा के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही रविवार को हरिओम संस्था ने एक जरूरतमंद व्यक्ति का अंतिम संस्कार कराया। यह सेवा कार्य शांति धाम शमशान घाट जनभागीदारी समिति के सहयोग से संपन्न हुआ। हरिओम संस्था पिछले करीब 12 वर्षों से ऐसे परिवारों की मदद करती आ रही है, जो आर्थिक रूप से बेहद कमजोर होने के कारण अपने परिजन के अंतिम संस्कार का खर्च उठाने में सक्षम नहीं होते। संस्था द्वारा ऐसे जरूरतमंद परिवारों को अंतिम संस्कार की आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने के साथ ही पूरी प्रक्रिया में सहयोग किया जाता है।

संस्था के इस सेवा कार्य का उद्देश्य केवल अंतिम संस्कार की व्यवस्था करना ही नहीं, बल्कि आर्थिक संकट से जूझ रहे परिवारों को कठिन समय में मानवीय सहारा प्रदान करना है। किसी व्यक्ति के निधन के बाद परिवार पहले ही मानसिक पीड़ा से गुजर रहा होता है। ऐसे समय में आर्थिक परेशानी उनकी मुश्किलों की और बढ़ा देती है। हरिओम संस्था ऐसे परिवारों के लिए आगे आकर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभा रही है।

शांति धाम शमशान घाट जनभागीदारी समिति के सहयोग से संस्था द्वारा लंबे समय से किए जा रहे इस सेवा कार्य की क्षेत्र में सराहना हो रही है। मानव सेवा के इस पुनीत कार्य के लिए हरिओम संस्था निश्चित रूप से बधाई और सम्मान की पात्र है।

## जीनीयस एकेडमी छीपावड़ में उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस

**खिरकिया।** स्वतंत्रता दिवस के 80वें वर्ष के उपलक्ष्य में जीनीयस एकेडमी प्राइमरी स्कूल छीपावड़ में देशभक्ति और उल्लास से परिपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। शाला परिसर में आयोजित समारोह की शुरुआत मां सरस्वती एवं भारत माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रच्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात विधिवत ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को सलामी दी गई।

कार्यक्रम में समाजसेवी विष्णु मालाकार, समाज अध्यक्ष अमरदास मालाकार, आत्माराम मालाकार, रामकृष्ण राजपूत, संतोष चौरै, दुर्गेश पंडित एवं भूपेंद्र राजपूत सहित अन्य अतिथियों ने सहभागिता की। ध्वजारोहण के बाद सभी उपस्थितजनों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाकर देश के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना व्यक्त की।

समारोह का मुख्य आकर्षण विद्यालय के नन्हे-मुन्हे छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमन रहा। बच्चों ने देशभक्ति गीतों, नृत्य एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। छोटे-छोटे बच्चों की आकर्षक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान पूरा विद्यालय परिसर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। विद्यालय के संचालक मुकेश मालाकार एवं संस्थापक सौरभ मालाकार ने बताया कि बच्चों में राष्ट्रप्रेम, संस्कार और आत्मविश्वास की भावना विकसित करने के उद्देश्य से विद्यालय में समय-समय पर इस प्रकार के आयोजन किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम की तैयारी के लिए विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने पूरी मेहनत और लगन के साथ बच्चों को अभ्यास कराया, जिसका परिणाम कार्यक्रम में बच्चों की शानदार प्रस्तुतियों के रूप में देखने को मिला।

विद्यालय की प्रधान पाठक जया मालाकार ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके प्रदर्शन की सराहना की। कार्यक्रम में शाला संचालक मुकेश मालाकार, प्रधान पाठक जया मालाकार, शाला समन्वयक शिवानी राजपूत, शिक्षिका वेदिका गौर, मोनिका, निधि एवं सीमा सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ, पालकगण सुरेंद्र बाथम, पंकज कन्नौज, दुर्गेश कन्नौज तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए देश की एकता, अखंडता और प्रगति में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

### भैरूदा में निकलेगी भव्य कावड़ यात्रा, विष्णु प्रसाद राठौर विशेष संवाददाता

**भैरूदा।** सावन माह के पावन अवसर पर पुण्य प्रदा समग्र सेवा समिति, नीलकंठ भैरूदा के तत्वावधान में 17 अगस्त 2026, सोमवार को भव्य कावड़ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यात्रा सुबह 8 बजे नीलकंठ से प्रारंभ होकर रमगढ़ा मंदिर तक जाएगी। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु केसरिया वस्त्र एवं भगवा टोपी धारण कर बम बम भोले और हर हर महादेव के जयकारों के साथ शामिल होंगे। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यात्रा के दौरान भक्तों के लिए जगह-जगह पर जलपान और प्रसादी की व्यवस्था की गई है। मार्ग में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे।

## ग्वालियर व्यापार मेला परिसर को सालभर सक्रिय बनाने की दिशा में बड़ा निर्णय

**ग्वालियर।** मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने रविवार को ग्वालियर व्यापार मेला कार्यालय में ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री अशोक जादौन, उपाध्यक्ष श्री उदयवीर सिंह एवं मेला सचिव श्री एस.बी. त्रिपाठी के साथ महत्वपूर्ण बैठक की।बैठक में ग्वालियर व्यापार मेला परिसर के विकास, वर्षभर उपयोगिता बढ़ाने तथा परिसर को निरंतर आर्थिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों का केंद्र बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा मेला प्राधिकरण को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि ग्वालियर व्यापार मेला परिसर का उपयोग केवल वार्षिक व्यापार मेले तक सीमित न रहे, बल्कि पूरे वर्ष विभिन्न आयोजनों एवं प्रदर्शनियों के माध्यम से परिसर को सक्रिय रखा जाए। श्री तोमर ने निर्देश दिए कि मेला परिसर की वर्षभर उपयोगिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक दो माह में अलग-अलग विषयों एवं क्षेत्रों से संबंधित मेले आयोजित किए जाएं। इनमें व्यापार, उद्योग, हस्तशिल्प, ऑटोमोबाइल, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, महिला उद्यमिता, रोजगार, शिक्षा एवं अन्य व्यावसायिक गतिविधियों से संबंधित प्रदर्शनियों को शामिल किया जा सकता है। इस पहल से न केवल मेला परिसर में लगातार गतिविधियां बनी रहेंगी, बल्कि स्थानीय व्यापारियों, लघु उद्योगों, कारीगरों, उद्यमियों एवं आम नागरिकों को भी एक बड़ा व्यावसायिक मंच उपलब्ध होगा। बैठक में श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने ग्वालियर व्यापार मेले के समग्र विकास के लिए विस्तृत प्रस्ताव मध्यप्रदेश शासन को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेला परिसर के भविष्य के विकास, आधारभूत सुविधाओं, नवीन निर्माण, आधुनिक सुविधाओं, व्यापारिक गतिविधियों एवं वर्षभर के उपयोग को ध्यान में रखते हुए एक समग्र विकास प्रस्ताव तैयार किया जाए तथा उसकी एक प्रति उन्हें भी उपलब्ध कराई जाए। इससे ग्वालियर व्यापार मेले को आधुनिक सुविधाओं से युक्त करते हुए राष्ट्रीय स्तर के स्थायी व्यापार एवं प्रदर्शनी केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बैठक के बाद विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने ग्वालियर व्यापार मेला परिसर में आयोजित सावन मेले का भ्रमण किया। उन्होंने मेले में विभिन्न व्यवस्थाओं एवं गतिविधियों का अवलोकन किया तथा मेले में उपलब्ध मनोरंजन एवं अन्य सुविधाओं का आनंद लिया। भ्रमण के दौरान उन्होंने नायगा वाटरफॉल का भी आनंद लिया और वहां पानी की टिक्की का स्वाद लिया। विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर के साथ भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया, श्री अशोक जैन प्रदेश कार्य समिति सदस्य तथा अन्य सैंकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ मेला घूमे।

# आईआरसीटीसी के नाम पर खान-पान कारोबार का कथित खेल?

» ट्रेनों में बांटे जा रहे पर्चों से उठे सवाल? » स्टेशनवार भोजन व्यवस्था में कथित 20 प्रतिशत कमीशन का खेल

**बी. एल. श्रीवास्तव**

**इटारसी।** भोपाल रेल मंडल के अंतर्गत संचालित ट्रेनों में खान-पान व्यवस्था को लेकर यात्रियों के बीच बांटे जा रहे पर्चों ने रेलवे की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार भोपाल मंडल के अंतर्गत आने जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों को भोजन के लिए पर्चे उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिन पर अलग-अलग स्टेशनों के नाम, भोजन की थाली की दरें और एक से चार तक मोबाइल नंबर दर्ज हैं। इन्हीं नंबरों के माध्यम से यात्रियों से भोजन के आर्डर लिए जाते हैं।

मामला इसलिए गंभीर है क्योंकि पर्चों में नियम अनुसार कुछ एक आईआरसीटीसी से संबंधित होने की आड़ में इस प्रकार का खेल किया जा रहा है। इस 20हं वाले खेल में आईआरसीटीसी का भी कोई उल्लेख नहीं होता। पर्चों पर संबंधित खान-पान व्यवस्था की अधिकृत, लाइसेंस और खाद्य सुरक्षा संबंधी विवरण या नाम का उल्लेख नहीं किया जाता मात्र मोबाइल नंबर पर इस खेल को किया जा रहा है। पर्चों में इटारसी, भोपाल, खंडवा, भुसावल, बीना सहित रेल मार्ग के विभिन्न स्टेशनों पर भोजन उपलब्ध कराने का उल्लेख बताया जा रहा है।

**स्तीपर और वातानुकूलित कोचों**

**तक पर्चें कैसे पहुंच रहे?**—सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि यह खान-पान व्यवस्था अधिकृत है तो यात्रियों के बीच बांटे जा रहे पर्चों पर संबंधित अधिकृत संस्था, लाइसेंस अथवा अन्य आवश्यक विवरण स्पष्ट रूप से क्यों नहीं हैं। वहीं यदि व्यवस्था अनधिकृत है तो स्तीपर और वातानुकूलित कोचों तक प्रचार सामग्री पहुंचने और यात्रियों से सीधे आर्डर लेने की गतिविधि किसकी निगरानी में हो रही है।

रेलवे की ट्रेनों में खान-पान व्यवस्था के लिए अधिकृत विक्रेताओं और निर्धारित प्रक्रियाओं का प्रावधान है। ऐसे में निजी मोबाइल नंबरों के माध्यम से यात्रियों से आर्डर लेना और अलग-अलग स्टेशनों पर भोजन पहुंचाने की व्यवस्था अपने आप में जांच का विषय बन गई है।

**सूत्रों के अनुसार 20 प्रतिशत कमीशन का कथित खेल**—सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस पूरे मामले में कथित तौर पर स्टेशनवार कमीशन का एक नेटवर्क भी संचालित होने की चर्चा है। सूत्रों का दावा है कि पर्चों में जिन गाड़ियों के स्टॉप और संबंधित स्टेशनों पर भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था का उल्लेख किया जाता है, वहां भोजन उपलब्ध कराने वाले व्यवस्थापकों तथा



इस काम को अंजाम देने वाले कथित व्यक्तियों के बीच 20 प्रतिशत कमीशन का खेल चलता है।

सूत्रों के अनुसार, जिस स्टेशन पर यात्री को भोजन उपलब्ध कराया जाता है, वहां के भोजन व्यवस्थापक से कथित तौर पर कुल कारोबार का 20 प्रतिशत हिस्सा लिया जाता है, जबकि शेष राशि भोजन उपलब्ध कराने वाला व्यवस्थापक अपने पास रखता है।

सूत्रों का यह दावा सही पाया जाता है तो रेल प्रशासन यह जांच का महत्वपूर्ण विषय होगा कि यह व्यवस्था किस स्तर पर संचालित है और इसमें कौन-कौन

लोग जुड़े हैं।

**मोबाइल नंबर हैं, अधिकृत जानकारी का अभाव**—पर्चों पर भोजन की थालियों और कीमतों के साथ मोबाइल नंबर दिए जाने की बात सामने आई है। इन नंबरों पर संपर्क कर यात्रियों से भोजन के आर्डर लिए जाने की जानकारी है।

संबंधित संचालक फर्जी पर्चें की पहचान है कि अधिकृत अनुमति, लाइसेंस, आईआरसीटीसी से संबद्धता और खाद्य सुरक्षा प्रमाण-पत्र जैसी जानकारीयें स्पष्ट रूप से उपलब्ध नहीं होती हैं और यात्रियों के सामने असमंजस की स्थिति बनती है। यदि किसी यात्री को भोजन की गुणवत्ता, कीमत या आपूर्ति को लेकर शिकायत हो तो निजी मोबाइल नंबर के अलावा शिकायत दर्ज कराने का अधिकृत माध्यम क्या होगा, यह भी महत्वपूर्ण सवाल है।

**भोजन की गुणवत्ता और यात्रियों की सुरक्षा पर भी सवाल**—ट्रेनों में खान-पान सीधे यात्रियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ा विषय है। इसलिए यह पता लगाना जाना जरूरी है कि यात्रियों को उपलब्ध कराया जा रहा भोजन कहाँ तैयार हो रहा है, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की जांच कौन कर रहा है, भोजन की पैकिंग और परिवहन किस व्यवस्था से हो रहा है तथा किसी यात्री के बीमार पड़ने की स्थिति में जिम्मेदारी किसकी होगी।

# औबेदुल्लागंज में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, भारत माता के जयकारों से गूंजा नगर

**औबेदुल्लागंज**

देश की आन, भान और शान तिरंगे के सम्मान तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत भोजपुर विधानसभा के औबेदुल्लागंज मंडल में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं, मातृशक्ति, नगरवासियों एवं स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। तिरंगा यात्रा में क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र पटवा, मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर, नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सोनू चौकसे, उपाध्यक्ष नामिता वागीश अग्रवाल, पार्षदगण सहित बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लेकर चल रहे लोगों ने 'भारत माता की



जय' और 'वंदे मातरम्' के जयकारों से वातावरण को देशभक्तिमय बना दिया। यात्रा के दौरान देशभक्ति गीतों के बीच छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी हाथों में तिरंगा लेकर उत्साह के साथ शामिल हुए। नगर की सड़कों पर चारों ओर लहराते तिरंगे और देशभक्ति के नारों से माहौल राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत नजर आया।

इस अवसर पर विधायक सुरेंद्र पटवा ने कहा कि तिरंगा हमारी राष्ट्रीय अस्मिता और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने सभी राष्ट्रभक्तों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में अधिक से अधिक सहभागिता करने तथा तिरंगे के सम्मान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

## मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत कलेक्टर एवं एसपी ने किया विभिन्न ग्रामों का भ्रमण

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेशभर में प्रत्येक शुक्रवार को मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत आज उज्जैन जिले में कलेक्टर श्री रौशन सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा ने विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर शासकीय संस्थाओं, मूलभूत सुविधाओं, कृषि गतिविधियों तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं एवं योजनाओं से मिल रहे लाभ की जानकारी भी प्राप्त की। पुष्प खेती का अवलोकन, कृषक की सरहना कलेक्टर श्री रौशन सिंह एवं एसपी श्री प्रदीप शर्मा ने ग्राम चंदेसरा में कृषक श्री भारत अंजना द्वारा की जा रही पुष्प खेती का अवलोकन किया। कृषक द्वारा गुलाब, गेंदा एवं कुंद की खेती की जा रही है। कृषक ने बताया कि पुष्प



खेती से उन्हें अच्छा लाभ प्राप्त हो रहा है। कलेक्टर श्री सिंह ने कृषक के नवाचार की सराहना करते हुए अन्य किसानों को भी परंपरागत खेती के साथ लाभकारी फसलों एवं उद्यानिकी गतिविधियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। शासकीय हाई स्कूल दताना में विद्यार्थियों से किया संवाद कलेक्टर श्री सिंह एवं एसपी श्री शर्मा ने शासकीय हाई स्कूल दताना की निरीक्षण किया। उन्होंने कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों से चर्चा कर बोर्ड परीक्षा की तैयारियों की जानकारी ली।

**इंदौर में तुलसी सिलावट ने किया ध्वजारोहण, 20 दलों ने किया आकर्षक मार्च पास्ट**

# 80वें स्वतंत्रता दिवस पर दिखा देशभक्ति का उत्साह, कलेक्टर कार्यालय में भी हुआ ध्वजारोहण, नगर निगम मुख्यालय में महापौर ने फहराया तिरंगा



इंदौर में 80वें स्वतंत्रता दिवस का जिला स्तरीय मुख्य समारोह पूरे उत्साह और गरिमा के साथ Mahesh Guard Line स्थित RAPTC Ground में आयोजित किया गया। समारोह में जल संसाधन मंत्री जुलसी सिलावट ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री के संदेश का सीधा प्रसारण भी किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी और नागरिक मौजूद रहे। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके बाद विभिन्न सुरक्षा और सामाजिक संगठनों के दलों ने आकर्षक मार्च पास्ट किया। 20 दलों ने परेड में लिया हिस्सा। मुख्य समारोह की परेड में कुल 20 दल शामिल हुए। इनमें BSF, RAPTC, प्रथम वाहिनी, 15वीं वाहिनी, जिला पुलिस बल, महिला पुलिस, Home Guard, Traffic Police, NCC Boys, NCC Girls, NCC Air Wing,

Scout, Guide, Red Cross, RI Group, SPC Girls, Srijan Dal और Shaurya Dal सहित अन्य दल शामिल रहे।

परेडका नेतृत्व Assistant Police Commissioner Yash Bijoria ने किया। BSF और प्रथम वाहिनी के बैंड ने शानदार प्रस्तुति देकर समारोह में मौजूद लोगों का उत्साह बढ़ाया।

**विद्यार्थियों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां:** कार्यक्रम में स्कूली विद्यार्थियों ने देशभक्ति और लोकगीतों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। Government E&cellence Bal Vinay Mandir, Government Malwa Girls Higher Secondary School और Modern International School के विद्यार्थियों ने गंरांग प्रस्तुतियां दीं।

विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों में देशभक्ति का उत्साह साफ



दिखाई दिया। कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोगों ने तालियों के साथ बच्चों का उत्साह बढ़ाया। उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान Independence Day समारोह के दौरान वर्षभर बेहतर कार्य करने वाले अधिकारी और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। उनके कार्यों की सराहना करते हुए प्रशस्ति पत्र और सम्मान प्रदान किए गए। **Collector Office में भी हुआ ध्वजारोहण**—Indore Collector Office में Collector Shivam Verma ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान और सलामी के साथ कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। Collector ने अधिकारियों और कर्मचारियों को Independence Day की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर सविधान के मूल्यों और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को दोहराया गया। कार्यक्रम में जिला प्रशासन के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। **Nagar Nigam मुख्यालय में Mayor ने**

**रेलवे के सामने कई सवाल**—पूरे मामले में रेलवे प्रशासन और आईआरसीटीसी के नाम पर से तथाकथित पर्चें का स्पष्ट होना जरूरी है कि क्या ट्रेनों में इस प्रकार के खान-पान पर्चे बांटने की अनुमति है? पर्चों पर दर्ज मोबाइल नंबर अधिकृत खान-पान व्यवस्था से जुड़े हैं या नहीं? स्तीपर और वातानुकूलित कोचों में प्रचार सामग्री बांटने की अनुमति किसके द्वारा दी गई? अलग-अलग स्टेशनों पर भोजन पहुंचाने वाले व्यवस्थापक अधिकृत हैं या नहीं? और यदि कथित 20 प्रतिशत कमीशन का कोई नेटवर्क है तो इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों को है या यह खेल मिली जुली प्रतिक्रिया से चल रहा है यह एक बड़ा सवाल है।

**इनका कहना:**

ट्रेनों में अवैध वेंडिंग और पर्चें बांटने के मामलों में रेलवे के संबंधित विभाग द्वारा लगातार अभियान चलाया जाता है। ट्रेनों के अंदर भी टिकट जांच स्टाफ द्वारा नियमित जांच की जाती है। यदि कोई व्यक्ति अवैध रूप से वेंडिंग करता पाया जाता है या पर्चे बांटने जैसी संदिग्ध गतिविधि करता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाती है।

*नवल अग्रवाल, भोपाल रेल मंडल, पीआरओ।*



खंडवाड़ा। 80वें स्वतंत्रताडुदिवस के अवसर पर प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा विभाग मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस परेडग्राउंडसखंडवाड़ा में आयोजित मुख्य समारोह में ध्वजारोहण किया और परेड की सलामी ली।

## 80वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ



**भोपाल।**

आज हम अपने उन वीर स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हैं जिनके त्याग और बलिदान से हमें आज़ादी मिली। स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है।

वर्तमान समय में देश के कई हिस्सों में विभिन्न मुद्दों-चाहे वह इथेनॉल नीति हो, युवाओं की चिंताएँ हों, या अन्य सामाजिक-आर्थिक विषय-को लेकर आंदोलन और विरोध-प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं। लोकतंत्र में अपनी बात रखना हर नागरिक का अधिकार है, लेकिन यह भी उसना ही आवश्यक है कि संवाद,

शांति और संवैधानिक मर्यादाओं के साथ समाधान खोजे जाएँ।

आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम संकल्प लें कि मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मनभेद नहीं। देश की एकता, अखंडता और विकास को सर्वोपरि रखते हुए हम सब मिलकर एक मजबूत, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना योगदान देंगे।

**फहराया तिरंगा** -Nagar Nigam मुख्यालय में Mayor Pushyamitra Bhargava ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान और सलामी के बाद उन्होंने निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों को Independence Day की शुभकामनाएं दीं। उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में निगम के जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

Congress Office में भी स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। Congress Office में City Congress President Chintu Chouksey और District Congress President Vipin Wankhede ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर Independence Day की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर Pradesh Congress President Jitu Patwari के संदेश का वाचन किया गया।



## संपादकीय

## संवाद टला तो सड़क बोली- क्या टकराव से पहले बात नहीं हो सकती थी?

एक स्वस्थ लोकतंत्र में सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना और शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन नागरिकों का अधिकार होता है। सच यह है कि असहमति और उसकी शांतिपूर्ण अभिव्यक्ति से ही लोकतंत्र जीवन पाता है और मजबूत होता है। मगर कुछ मसलों पर सरकारी तंत्र का रुख कई बार इस हद तक उदासीन और उपेक्षापूर्ण हो जाता है कि आम लोगों को अपनी बात दर्ज करने के लिए आंदोलन एक ज़रूरी विकल्प लगने लगता है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है कि अगर सरकार ने नीट प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर उभरे विरोध के बाद समय रहते आंदोलनकारियों से संवाद का रास्ता अपनाया होता, तो क्या स्थिति को संभाला जा सकता था? आमतौर पर सरकार की ओर से टालमटोल के रवैये की वजह से ही संवादहीनता की स्थिति पैदा होती है और इसके बाद कभी-कभी आंदोलन की दिशा भी नियंत्रित नहीं रह पाती। हैरानी की बात यह है कि मतभेद या सवालों के सामने आने पर सरकार अपनी ओर से बातचीत में दिलचस्पी नहीं दिखाती, लेकिन जब लोग सड़क पर उतर जाते हैं, तब कथित हिंसा पर काबू पाने के नाम पर पुलिस के जरिए बलप्रयोग का सहारा लेने से भी नहीं हिचकती। दरअसल, नीट 2026 के प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर विद्यार्थियों के आंदोलन के दौरान जो भी अराजकता और पुलिस की कार्रवाई देखने में आई, वह सरकार और आंदोलनकारियों के बीच संवादहीनता का ही नतीजा थी। इसी से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की कि अगर कुछ गुमराह लोग पथरबाजी भी करते हैं, तो भी युवाओं को शांत करने और उनसे बातचीत करने की जरूरत है।

गौरतलब है कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर पुलिस ने आंदोलनकारियों पर जिस तरह लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े, उस पर तीखे सवाल उठे। इसके बाद पुलिस की ओर से यह सफाई दी गई कि आंदोलनकारियों की भीड़ अराजक और हिंसक हो गई थी। सवाल है कि क्या सिर्फ इस दलील से प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की सख्ती, बेरहमी और यहां तक कि कई छात्राओं के प्रति भी अफसोसनाक बर्ताव को उचित ठहराया जा सकता है? खबरें यहां तक आई कि प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर 'पैलेट गन' भी चलाई गई, जिसका उपयोग हर लिहाज से गलत था। अब्ब तो इस स्थिति से बचने के लिए हर तरह के वैकल्पिक उपायों का सहारा लेने की जरूरत थी, लेकिन क्या यह नौबत सिर्फ संवाद की उपेक्षा करने या इसके प्रति उदासीन होने की वजह से ही नहीं आई? पुलिस की सख्ती सवालों के घेरे में आने के बाद मुद्दा जब राजनीतिक शकल अखिल्यार करने लगा और विपक्षी दलों ने भी इस मसले पर आवाज उठाई, तब विद्यार्थियों की मांग के मुताबिक आखिर केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा हुआ और आंदोलनकारियों से बातचीत भी की गई। संवाद के जरिए हल तक पहुंचने की कोशिश करने का जो काम सरकार ने स्थिति बिगड़ने के बाद किया, क्या वही वह प्रदर्शन के पहले नहीं कर सकती थी? क्या इसी अपरिपक्वता और समय पर बातचीत के तकाजे की अनदेखी का ही नतीजा नहीं था कि प्रदर्शनकारियों ने 'संसद मार्च' का आह्वान किया और फिर एक अप्रिय और दुःखद स्थिति पैदा हुई? इस लिहाज से देखें, तो सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह संवाद को तरजीह देने पर जोर दिया है, वह दरअसल सबसे शुरुआती और लोकतांत्रिक तकाजा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार इसे एक सबक के तौर पर देखेगी।

-**प्रोफ़ेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय**

विकासशील भारत अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, यह राष्ट्रीय स्तर पर आत्मनिरीक्षण और आगे की सोच का प्रतीक है। रक्षा उत्पादन का क्षेत्र इसकी आत्मनिर्भरता और रणनीतिक ऑटोनॉमी का एक अहम स्तंभ बनकर उभरा है। मिलिट्री हार्डवेयर के एक बड़े आयातक से एक भरोसेमंद डिफेंस निर्यातक बनने का सफर भारत की बढ़ती क्षमताओं और रणनीतिक दूरदर्शिता का सबूत है। यह बदलाव सिर्फ एक आर्थिक या टेक्नोलॉजिकल उपलब्धि नहीं है; यह असल में नेशनल सिक्योरिटी, जियोपॉलिटिकल स्ट्रैंडिंग और ग्लोबल स्टेज पर ज़्यादा असरदार भूमिका निभाने की इच्छा से जुड़ा है। पिछले कुछ दशकों में, खासकर हाल के सालों में रक्षा उत्पादन में जो तरक्की हुई है, वह एक मजबूत स्वदेशी डिफेंस इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम बनाने की सोची-समझी कोशिश को दिखाती है। यह लेख भारत के रक्षा-उत्पादन विकास की खास बातों पर गहराई से बात करेगा, क्योंकि यह अपने 80वें स्वतंत्रता दिवस के करीब पहुंच रहा है, इसकी ग्रोथ को आगे बढ़ाने वाले कई वजहों को देखेगा, और उन रुकावटों की बारीकी से जांच करेगा जो इसकी पूरी क्षमता को चुनौती दे रही हैं। भारत के रक्षा उत्पादनके माहौल में एक बड़ा बदलाव आया है, जो विदेशी डिजाइनों की असंबलती और लाइसेंसड प्रोडक्शन से आगे बढ़कर स्वदेशी इन्वैशेन और मैयूफैक्चरिंग को बढ़ावा दे रहा है। कई खास बातें इस तरक्की को दिखाती हैं।

वायुसेना के संदर्भ में, एडवांसड



प्लेटफॉर्म और सिस्टम का विकास स्वदेशी टेक्नोलॉजी में एक बड़ी छलांग दिखाता है। लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एल सी ए) तेजस, एक मल्टी-रोल फाइटर जेट, इसका एक बड़ा उदाहरण है। दशकों के विकास के बाद, तेजस इंडियन एयर फोर्स के साथ स्क्राइन सर्विस में शामिल हो गया है और इसे एक्सपोर्ट करने पर विचार किया जा रहा है, जो भारत की एडवांसड फाइटर एयरक्राफ्ट डिजाइन करने, डेवलप करने और बनाने की क्षमता को दिखाता है। इसी तरह, पांचवीं पीढ़ी के फाइटर, एडवांसड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (ए एम सी ए) का विकास चल रहा है, जिसका मकसद भारत को ऐसी एडवांस क्षमताओं वाले चुनिंदा देशों के ग्रुप में जगह दिलाना है।

नेवल डिफेंस के क्षेत्र में काफी

तरक्की हुई है। भारत ने आई एन एस विकांत जैसे स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर को सफलतापूर्वक डेवलप और डिप्लॉय किया है, जो पहला स्वदेशी रूप से डिजाइन और बनाया गया एयरक्राफ्ट कैरियर है। यह उपलब्धि भारत को दुनिया भर में एक खास जगह दिलाती है, जो इसकी व्यापक नेवल शिपबिल्डिंग क्षमताओं को दिखाती है। इसके अलावा, स्कॉपीन क्लास (फ्रांस के नेवल ग्रुप के साथ मिलकर बनाया गया लेकिन इसमें काफी भारतीय कंटेंट है) और एडवांसड पारंपरिक पनडुब्बियों पर फोकस करने वाला आने वाला P75I प्रोजेक्ट सहित सबमरीन का स्वदेशी विकास, पानी के नीचे की लड़ाई में बढ़ती आत्मनिर्भरता को दिखाता है। एडवांसड स्वदेशी हथियारों और सेंसर से लैस डिस्ट्रॉयर, फ़िगेट और ऑफ़शोर पेट्रोल वेसल का

कंस्ट्रक्शन, भारतीय नेवी की ऑपरेशनल पहुंच और टेक्नोलॉजिकल बढ़त को और मजबूत करता है। थल सेना के लिए स्वदेशीकरण में काफी बढ़ोतरी देखी गई है। अर्जुन जैसे मेन बैटल टैंक (एम बी टी) का प्रोडक्शन, हालांकि शुरुआती दुनिया भर में एक खास जगह दिलाती है, लेकिन अब एक मजबूत प्लैटफॉर्म बन गया है। इससे भी ज़्यादा ज़रूरी बात यह है कि मॉडर्न आर्टिलरी सिस्टम, जिसमें धनुष टोड आर्टिलरी गन और के9 वज्र-T ( भारत में लाइसेंस के तहत बनाया गया एक साउथ कोरियन डिजाइन) शामिल हैं, के लिए जोर ने इंडियन आर्मी की फायरपावर को बेहतर बनाया है। कलाशिनकोव ए के-203 ( भारत में बनी) जैसी देसी असाॉल्ट राइफलों का विकास, और अगली पीढ़ी के इन्फेंट्री कॉम्बैट व्हीकल और आर्मंड

पर्सनल कैरियर के लिए भविष्य के प्रोजेक्ट, ज़मीनी सेना को स्टेट-ऑफ-द-आर्ट हथियारों से लैस करने के कमिटमेंट को दिखाते हैं। मिसाइल और रॉकेट का क्षेत्र भारत के लिए लगातार ताकत का क्षेत्र रहा है। इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आई सी बी एम) की अग्नि सीरीज़, पृथ्वी शॉर्ट-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल, आकाश सरफेस-टू-पयर मिसाइल सिस्टम, और ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल (रूस के साथ एक जॉइंट वेंचर) का विकास और इंडक्शन मिसाइल टेक्नोलॉजी में भारत की एडवांसड क्षमताओं को दिखाता है। ये सिस्टम ज़रूरी रणनीतिक रोकथाम और भरोसा करने की क्षमता देते हैं। वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग (वी टी ओ एल) मिसाइलों और हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी का चल रहा विकास, मिसाइल युद्ध में सबसे आगे रहने की भारत की इच्छा का और संकेत देता है। इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन सेक्टर में स्वदेशीकरण की तरफ़ काफी जोर है। रोहिणी और स्वाति जैसे एडवांसड रडार सिस्टम से लेकर इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सुइट्स और सुरक्षित कम्युनिकेशन सिस्टम तक, भारतीय कंपनियां तेज़ी से ज़रूरी कंपोनेंट्स और सबसिस्टम डेवलप और प्रोड्यूस कर रही हैं। इससे विदेशी सप्लायर्स पर निर्भरता कम होती है और रक्षा नेटवर्क के अंदर साइबर सिक्योरिटी बढ़ती है। आखिर में, निजी रक्षा क्षेत्र का विकास एक उल्लेखनीय घटनाक्रम है। ऐतिहासिक रूप से सरकारी कंपनियों का दबदबा रहने के बाद, भारत ने अब निजी क्षेत्र की भागीदारी को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया है।

# Taliban के 5 साल के राज में कितना बदला Afghanistan? बंदूकधारियों की Diplomacy देखकर दुनिया हैरान

-**नीरज कुमार दुवे**

भले ही दुनिया ने तालिबान को औपचारिक मान्यता देने से अब तक परहेज किया हो, लेकिन पांच साल में इस संगठन ने एक बात साबित कर दी है कि सत्ता पर कब्जे के बाद राजनय की ताकत को हथियार की तरह इस्तेमाल करना उसे आता है। 15 अगस्त 2021 को अमेरिकी नेतृत्व वाली नाटो सेनाओं की वापसी के बाद काबुल पर कब्जा करने वाला तालिबान आज उस मुकाम पर है जहां कई देश उसे पसंद नहीं करने के बावजूद उससे बात कर रहे हैं, उसके साथ सौदे कर रहे हैं और क्षेत्रीय सुरक्षा से लेकर व्यापार तक के सवालों पर उसे नजरअंदाज नहीं कर सकते।

इस बदलते समीकरण का सबसे बड़ा संकेत भारत है। 15 अगस्त को तालिबान ‘विक्ट्री डे’ मनाया जा रहा है और नई दिल्ली स्थित अफगान दूतावास में होने वाले समारोह में वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों की संभावित भागीदारी को लेकर भी संकेत मिले हैं। निमंत्रण अफगानिस्तान के चार्ज द अफेयर्स मुफ्ती नूर अहमद नूर की ओर से भेजा गया है और उस पर ‘इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान’ का प्रतीक चिह्न है। भारत ने तालिबान सरकार को



औपचारिक मान्यता नहीं दी है, लेकिन उसे अफगान दूतावास संचालित करने की अनुमति देकर और उसके राजनयिकों को काम करने की जगह देकर उसने साफ कर दिया है कि कूटनीति में ‘मान्यता’ और ‘व्यावहारिक संबंध’ दो अलग चीजें हैं। देखा जाये तो तालिबान ने आर्थिक मोर्चे का राज हालात में कोई अहम बदलाव नहीं कर पाया है। आम अफगान की जिंदगी आर्थिक, सामाजिक और मानवीय संकटों से अब भी घिरी है। करीब आधी आबादी गरीबी में है, बेरोजगारी दर बहुत ज्यादा है, निवेश नहीं है और महिलाओं को कामकाज से लगभग बाहर कर दिया

गया है। हां, कर संग्रह में सुधार हुआ है, भ्रष्टाचार में कुछ कमी आई है और देश के बड़े हिस्से में हिंसा पहले की तुलना में कम हुई है। लेकिन बदले में मनमानी गिरफ्तारियां, जबरन गुमशुदगियां और प्रतिशोधात्मक कार्रवाई जैसी शिकायतें बनी हुई हैं। तालिबान ने आर्थिक मोर्चे पर खनन और सीमा-पार बुनियादी ढांचे पर जोर बढ़ाया है। चीन और दूसरे पड़ोसी देशों की कंपनियां अफगानिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों में संभावनाएं तलाश रही हैं। मध्य एशिया के ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, किर्गिस्तान, उज़्बेकिस्तान और कजाखस्तान जैसे देश भी काबुल के

साथ व्यापारिक गलियारों को लेकर सक्रिय हैं, क्योंकि समुद्र तक पहुंच बनाने के लिए अफगानिस्तान एक अहम भौगोलिक कड़ी बन सकता है। यही तालिबान की असली कूटनीतिक चाल है। यानि वह विचारधारा की बजाय भूगोल को बेच रहा है। वह कह रहा है कि उसे पसंद करें या न करें, लेकिन अफगानिस्तान की ज़मीन, खनिज, व्यापार मार्ग और सुरक्षा समीकरण से दुनिया बच नहीं सकती। रूस फिहालत तालिबान सरकार को औपचारिक मान्यता देने वाला अकेला देश है, लेकिन व्यवहार में तस्वीर इससे कहीं बड़ी है। चीन, जापान, तुर्किये, सऊदी अरब और ब्रिटेन समेत अनेक देशों के प्रतिनिधि काबुल पहुंच रहे हैं। यूरोपीय संघ के साथ असफल अफगान शरणार्थियों की वापसी पर बातचीत हो रही है और जर्मनी ने तालिबान की वापसी को निर्वासित किया जिसे किसी अपराध में दोषी नहीं ठहराया गया था। साथ ही तालिबान ने समय को अपना सबसे बड़ा हथियार बना लिया है। पांच साल गुजर चुके हैं। दुनिया को धीरे-धीरे यह कठोर वास्तविकता स्वीकार करनी पड़ रही है कि अफगानिस्तान पर वास्तविक नियंत्रण तालिबान का है। संयुक्त राष्ट्र से जुड़े

विशेषज्ञों के मुताबिक, क्षेत्रीय देशों में यह सोच मजबूत हुई है कि यह ऐसी वास्तविकता है जिससे निपटना ‘अनिवार्य’ है, चाहे उसे पसंद किया जाए या नहीं। भारत के लिए सबसे बड़ा रणनीतिक बदलाव तालिबान और पाकिस्तान के रिश्तों में आई दरार है। जिस पाकिस्तान को कभी तालिबान का संरक्षक अफगानिस्तान की ज़मीन, खनिज, व्यापार और रणनीतिक साझेदार माना जाता था, वही आज काबुल के साथ खुले टकराव में है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच संघर्ष इतना बढ़ा कि चीन, कतर, सऊदी अरब, ओमान, ईरान, तुर्किये, उज़्बेकिस्तान और मलेशिया तक को हस्तक्षेप करना पड़ा। सैकड़ों नागरिकों की मौत के बाद चीन ने बातचीत की मेजबानी की। यहीं पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा झटका है। तालिबान ने यह दिखा दिया कि काबुल की सत्ता अब इस्लामाबाद की जेब में नहीं है। बल्कि अफगान संप्रभुता और सीमा विवाद पर वह पाकिस्तान से भिड़ने को तैयार है। भारत के लिए यह किसी रणनीतिक बोनस से कम नहीं। पिछले वर्ष भारत और तालिबान के संयुक्त बयान में जम्मू-कश्मीर को भारत में स्थित केंद्रशासित प्रदेश के रूप में संदर्भित किया गया और पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की गई।

# विदेशी चंदे पर नियंत्रण और संतुलन की अपेक्षा

आंकड़े इस विषय की व्यापकता बताते हैं। पीआरएस के अनुसार 15 जुलाई 2026 तक 14,449 एफसीआरए प्रमाणपत्र सक्रिय थे, जबकि 22,498 रद्द और 15,212 समाप्त माने गए। 2019 से 2022 के बीच 13,520 संगठनों को लगभग 55,741 करोड़ रुपये का विदेशी अंशदान मिला। इन आंकड़ों को देखकर यह सवाल स्वाभाविक है कि इतनी बड़ी धनराशि का उपयोग कहाँ, किस उद्देश्य से और किस स्तर की निगरानी के साथ हुआ? लेकिन इसके साथ दूसरा प्रश्न भी उठना ही महत्वपूर्ण है-क्या किसी संस्था का एफसीआरए पंजीकरण समाप्त हो जाना अपने आप में किसी वित्तीय या आपराधिक अविधिमितता का प्रमाण माना जा सकता है? सरकार के अपने स्पष्टीकरण के अनुसार भी पंजीकरण समाप्त होने के कई कारण हो सकते हैं और हर समाप्ति को गलत काम से जोड़ना उचित नहीं है। यहीं से प्रस्तावित संशोधन का सबसे संवेदनशील पक्ष सामने आता है। विधेयक में ‘नामित प्राधिकरण’ की व्यवस्था प्रस्तावित है। यदि किसी संस्था का एफसीआरए पंजीकरण रद्द हो जाता है, वह स्वयं पंजीकरण छोड़ देती है या उसका प्रमाणपत्र नवीनीकरण न होने के कारण समाप्त हो जाता है, तो विदेशी अंशदान और उससे निर्मित संपत्तियां पहले अस्थायी रूप से इस प्राधिकरण के अधीन आ सकती हैं। यदि निर्धारित अवधि में पंजीकरण बहाल नहीं होता तो संपत्तियां स्थायी रूप से निहित की जा सकती हैं तथा उन्हें सार्वजनिक प्रयोजनों के लिए उपयोग या बेचने का प्रावधान है।

-**ललित गर्ग**

12 अगस्त 2026 का दिन भारतीय संसद के लिए इसलिए महत्वपूर्ण रहा कि विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 यानी एफसीआरए विधेयक को लोकसभा ने 31 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति-जेपीसी के पास भेज दिया। यह फैसला केवल एक विधेयक को संसदीय प्रक्रिया के अगले चरण में भेजना नहीं है, बल्कि उस व्यापक बहस का अवसर है जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेशी धन की पारदर्शिता, धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं की स्वायत्तता, नागरिक समाज की भूमिका और लोकतांत्रिक अधिकार-सभी एक साथ जुड़े हुए हैं। विधेयक को जेपीसी के पास भेजे जाने से सरकार और विपक्ष के बीच तत्काल टकराव को कुछ हद तक विमर्श में बदलने का अवसर मिला है। एफसीआरए का इतिहास भी इस बहस की गंभीरता को समझने में मदद करता है। विदेशी धन के माध्यम से देश के राजनीतिक और सामाजिक जीवन पर बाहरी प्रभाव की आशंकाओं को देखते हुए 1976 में पहली बार कानून बनाया गया था। वर्ष 2010 में इसे नए एफसीआरए कानून से

प्रतिस्थापित किया गया और उसके बाद 2020 सहित विभिन्न चरणों में इसके प्रावधान अधिक कठोर होते गए। आज यह कानून केवल विदेशी चंदे की प्राप्ति और उसके उपयोग का लेखा-जोखा रखने का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़े विमर्श का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।

आंकड़े इस विषय की व्यापकता बताते हैं। पीआरएस के अनुसार 15 जुलाई 2026 तक 14,449 एफसीआरए प्रमाणपत्र सक्रिय थे, जबकि 22,498 रद्द और 15,212 समाप्त माने गए। 2019 से 2022 के बीच 13,520 संगठनों को लगभग 55,741 करोड़ रुपये का विदेशी अंशदान मिला। इन आंकड़ों को देखकर यह सवाल स्वाभाविक है कि इतनी बड़ी धनराशि का उपयोग कहाँ, किस उद्देश्य से और किस स्तर की निगरानी के साथ हुआ? लेकिन इसके साथ दूसरा प्रश्न भी उठना ही महत्वपूर्ण है-क्या किसी संस्था का एफसीआरए पंजीकरण समाप्त हो जाना अपने आप में किसी वित्तीय या आपराधिक अविनियमितता का प्रमाण माना जा सकता है? सरकार के अपने स्पष्टीकरण के अनुसार भी पंजीकरण



समाप्त होने के कई कारण हो सकते हैं और हर समाप्ति को गलत काम से जोड़ना उचित नहीं है। यहीं से प्रस्तावित संशोधन का सबसे संवेदनशील पक्ष सामने आता है। विधेयक में ‘नामित प्राधिकरण’ की व्यवस्था प्रस्तावित है। यदि किसी संस्था का एफसीआरए पंजीकरण रद्द हो जाता है, वह स्वयं पंजीकरण छोड़ देती है या उसका प्रमाणपत्र नवीनीकरण न होने के कारण समाप्त हो जाता है, तो विदेशी अंशदान और उससे निर्मित संपत्तियां पहले अस्थायी रूप से इस प्राधिकरण के अधीन आ सकती हैं। यदि निर्धारित अवधि में पंजीकरण बहाल नहीं होता तो संपत्तियां स्थायी रूप से निहित की

जा सकती हैं तथा उन्हें सार्वजनिक प्रयोजनों के लिए उपयोग या बेचने का प्रावधान है। विक्की से प्राप्त राशि और अप्रयुक्त विदेशी अंशदान भारत की समेकित निधि में जमा किए जाने का प्रस्ताव है।

भारत में समय-समय पर ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें विदेशी वित्तपोषण के दुरुपयोग, वित्तीय अनियमितताओं अथवा राष्ट्रीय हित से टकराने वाली गतिविधियों को लेकर सवाल उठे हैं। इसलिए एफसीआरए का मूल उद्देश्य-विदेशी अंशदान को पारदर्शी, उत्तरदायी और वैध उद्देश्यों तक सीमित रखना-न तो अनुचित है और न ही लोकतंत्र विरोधी। लेकिन

राष्ट्रीय सुरक्षा की आवश्यकता और प्रशासनिक शक्ति के विस्तार के बीच एक स्पष्ट रेखा भी होनी चाहिए। यही इस विधेयक की असली परीक्षा है। यदि किसी संस्था ने विदेशी धन का इस्तेमाल आतंकवाद, हिंसा, अलगाववाद, जबरन या प्रलोभन आधारित धर्मांतरण, राजनीतिक अस्थिरता अथवा भारत की संप्रभुता को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों में किया है, तो उसके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए। राष्ट्रहित में ऐसी कठोरता आवश्यक है। मगर दूसरी ओर यदि कोई संस्था अस्पताल चला रही है, गरीबों के लिए शिक्षा उपलब्ध करा रही है, पर्यावरण संरक्षण कर रही है, महिलाओं और बच्चों के लिए काम कर रही है अथवा प्राकृतिक आपदा में राहत पहुंचा रही है, तो केवल तकनीकी या प्रक्रियागत चूक के कारण उसके वर्षों के सामाजिक कार्य और विदेशी अंशदान से निर्मित परिसंपत्तियों पर तत्काल सरकारी नियंत्रण स्थापित हो जाना चिंता का विषय बन सकता है। यही कारण है कि जेपीसी के पास जाना इस विधेयक के लिए एक सकारात्मक अवसर है। संसद में बहुमत से कानून पारित करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन जिन कानूनों का

प्रभाव हजारों संस्थाओं, लाखों लाभार्थियों और देश के व्यापक नागरिक समाज पर पड़ता हो, उनकी बारीकी से जांच लोकतंत्र को मजबूत करती है। जेपीसी में विपक्ष अपनी संस्थाओं, वित्तीय विशेषज्ञों तथा सुरक्षा एजेंसियों के अनुभवों को भी सामने लाया जा सकता है।

विधेयक में एक महत्वपूर्ण संतुलनकारी प्रावधान यह भी है कि धार्मिक स्थल की धार्मिक प्रकृति को बनाए रखना अनिवार्य होगा। नामित प्राधिकरण किसी ऐसे स्थल को दूसरे उद्देश्य में बदल या उसकी धार्मिक प्रकृति समाप्त नहीं कर सकेगा। इसके अलावा प्रभावित संस्था को 90 दिनों के भीतर पुनरीक्षण का अधिकार और जिला न्यायाधीश के समक्ष अपील का प्रावधान दिया गया है। सरकार ने यह भी बताया है कि पंजीकरण बहाल होने पर अस्थायी रूप से निहित संपत्तियां और अप्रयुक्त धन वापस किए जाएंगे। ये प्रावधान स्वागत योग्य हैं, लेकिन सवाल यह रहेगा कि इन अधिकारों की वास्तविक स्वतंत्रता और प्रक्रिया कितनी प्रभावी होगी।



# गर्मियों में इस तरह बनाएं मखाना रायता, स्वाद और सेहत के लिए है बेहद फायदेमंद

मखाना खाना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसे अंग्रेजी में फोक्स नट के नाम से जाना जाता है। मखाना कमल के बीजों से बनता है और यह कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसे स्थानीय भाषा में मखाना कहते हैं। कई लोग इसके नाम से भी परिचित नहीं होंगे, लेकिन यह कई गुणों से भरपूर होता है। यह कई देशों में भी लोकप्रिय है। मखाना वजन कम करने में खा, भूमिका निभाता है, इसके अलावा यह ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में भी खास भूमिका निभाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इसमें मौजूद प्रोटीन, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट, कार्बोहाइड्रेट और मिनरल्स शरीर के लिए बहुत लाभकारी होते हैं। 20 17 में जर्नल ऑफ फूड साइंस में प्रकाशित % मखाना (यूरीएल फेरोक्स सेलिसब) का पोषण और फाइटोकेमिकल

विश्लेषण शीर्षक वाले एक अध्ययन में भी यह बात सामने आई थी।  
वैसे तो मखाने को आप अपने डाइट में कई तरह से शामिल कर सकते हैं, लेकिन गर्मियों में इसका रायता बनाकर खाना न सिर्फ स्वादिष्ट होता है बल्कि ये सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। गर्मियां शुरू होते ही हर कोई दही को किसी न किसी रूप में अपनी रोजाना आहार में शामिल कर लेता है। बता दें, गर्म मौसम में दही शरीर को हेल्दी रखने में बहुत मददगार होता है, वहीं मखाने के फायदों को कौन नहीं जानता है, ऐसे में अगर मखाना और दही का कॉम्बिनेशन एक ही रेसिपी में मिल जाए तो क्या ही कहना।  
मखाना का रायता बनाने के लिए सामग्री  
1 कप दही  
2 कप मखाना

1 छोटा चम्मच रायता मसाला  
स्वादानुसार लाल मिर्च पाउडर  
1 छोटा चम्मच चाट मसाला  
1 छोटा चम्मच गरम मसाला  
1 चम्मच देसी घी  
बारीक कटा हुआ धनिया 1 चम्मच  
स्वादानुसार नमक  
बनाने की विधि  
मखाना का रायता बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन लें और मध्यम आंच पर गर्म करें। फिर इसमें एक चम्मच देसी घी डालकर थोड़ा गर्म होने पर इसमें मखाने डालकर भूनें। जब मखानों का रंग हल्का सुनहरा हो जाए तो गैस बंद कर दें और मखानों को एक प्लेट में निकाल कर अलग रख लें। जब मखाने ठंडे हो जाएं तो इन्हें मिक्सर में डालकर दरदरा कर पीस लें। अब एक बर्तन लें और इसमें दही



डालकर अच्छे से फेंट लें। आप चाहें तो दही को मिक्सर ग्राइंडर में डालकर भी फेंट सकते हैं। जब दही अच्छे से मिक्स हो जाए तो इसमें चाट मसाला, गरम मसाला, लाल मिर्च पाउडर, रायता मसाला और स्वादानुसार नमक डालकर अच्छे से मिला लें। अब इसमें में दरदरा पिसा हुआ मखाना डालकर

मिला लें। यदि रायता बनने के बाद गाढ़ा लग रहा हो तो इसमें अपनी जरूरत के हिसाब से पानी मिला लें। आपका स्वादिष्ट मखाना रायता बनकर तैयार है। अब इसे हरा धनिया डालकर गार्निश करें और सर्व करें।

## गर्मियों में बढ़ जाती है पेट खराब होने की समस्या, डाइट में शामिल करें ये चीजें, मिलेगी राहत

गलत जीवनशैली और खानपान के कारण लोग कई स्वास्थ्य समस्याओं का शिकार हो रहे हैं। इनमें पेट से संबंधित समस्याएं भी शामिल हैं। पेट से संबंधित समस्याओं के दौरान आपको कब्ज, बवासीर और दस्त का सामना करना पड़ सकता है। इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आप अपनी डाइट में कुछ हेल्दी चीजों को शामिल कर सकते हैं, जो पेट से जुड़ी कई समस्याओं से राहत दिलाने में आपकी मदद करेंगी। डॉ. वैताली राठौड़ ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने पेट से जुड़ी समस्याओं से राहत पाने के लिए डाइट में कुछ खास चीजों को शामिल करने की सलाह दी है।

पेट से संबंधित समस्याओं से राहत पाने के लिए आहार  
गरम पानी- दिनभर गर्म पानी पीने से पेट की समस्याओं और कब्ज से राहत मिलती है।

धनिये के बीज- धनिया की तासीर प्राकृतिक रूप से ठंडी होती है धनिया के बीज पेट और एसिडिटी की समस्याओं को रोकते हैं।

अदरक- अपने आहार में अदरक को शामिल करें। इससे पाचन संबंधी समस्याओं से राहत मिल सकती है।

गाय का घी- अपने भोजन में 1 बड़ा चम्मच गाय का घी मिलाएं। इससे पाचन तंत्र मजबूत होता है।

पुदीने की चाय- वात और पित्त दोषों को संतुलित करने के लिए दिन में एक या दो बार पुदीने की चाय पिएं। पुदीने की पतियों को 1 कप पानी में उबालें। आप पुदीने की पतियों को चबाकर या छानकर भी भोजन से पहले पी सकते हैं।

मूंग की दाल- हरी मूंग दाल प्रोटीन और फाइबर का अच्छा स्रोत है। इसे अपने आहार में शामिल करके आप पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं।

अजीर- भीगे हुए अजीर कब्ज और हाइपरएसिडिटी से राहत दिला सकते हैं।

काला नमक- काला नमक गैस, सूजन और भूख जैसी समस्याओं में सुधार करता है।

अनार- अनार में कई पोषक तत्व और स्वास्थ्य लाभ होते हैं। मीठा अनार पाचन में सहायता करता है, आयरन बढ़ाता है, और हार्मोनल स्वास्थ्य में मदद करता है।

गुलकंद- गुलकंद आईबीएस, कब्ज, हाइपरएसिडिटी और बाइपन में मदद करता है। इसके साथ ही गुलकंद पित्त और वात दोषों को संतुलित करता है। सर्वोत्तम परिणामों के लिए इसे दिन में दो बार 1-2 चम्मच लें।



# चेहरे पर पार्लर जैसा निखार लाने के लिए काफी है सिर्फ एक टमाटर, ऐसे करें इस्तेमाल

आप शायद पहले से ही जानते होंगे कि टमाटर कई कार्यों से एक सुपरफूड है। यह न केवल आपके पेट के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा है, बल्कि आपकी त्वचा के लिए भी चमत्कारी है। टमाटर उन लोगों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है जो बिना अधिक पैसे खर्च किए बहुत आसानी से सुंदर और आकर्षक दिखना चाहते हैं। टमाटर में चेहरे की चमक बढ़ाने और त्वचा की कई समस्याओं को ठीक करने की क्षमता होती है। इसमें विटामिन ए, सी और के भरपूर मात्रा में होते हैं। ये विटामिन त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं।

आपको बता दें, टमाटर में ऐसी खटास होती है जो आपकी त्वचा के रोमछिद्रों को खोलने में मददगार होती है और मुँहासों के इलाज में मदद करती है। टमाटर का इस्तेमाल हेल्दी स्किन सेल्स को प्रदूषित करने वाले फ्री रेडिकल्स को हटाने के लिए भी किया जा सकता है। बहुत से लोग अपनी बिजी लाइफस्टाइल के कारण त्वचा की देखभाल पर ध्यान नहीं देते हैं। ऐसे लोगों के लिए घर पर टमाटर का फेस पैक बनाना बहुत आसान है। चेहरे पर काले धब्बे, पिगमेंटेशन, झुर्रियाँ और एक्स्ट्रा ऑयल को हटाने के लिए यह एक बेहतर उपाय है। टमाटर स्किन को जवां बनाए रखने में भी कारगर है। इस बारे में स्किन एक्सपर्ट ने कुछ खास टिप्स बताए हैं।

इसके लिए सबसे पहले एक ताजे टमाटर को आधा काट लें और फिर इसे अपनी त्वचा पर हल्के हाथों से मसाज करें। 15 से 20 मिनट बाद इसे धो लें। ऐसा करने से स्किन पिगमेंटेशन दूर करने में मदद मिलेगी।

दूसरा तरीका यह है कि एक टमाटर लें और उसे अच्छी तरह से मैश करें और उसमें एक बड़ा चम्मच दही मिलाएं। इसे अच्छी तरह से मिलाएं और अपने चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट बाद इसे गुनगुने पानी से धो लें। यह मुँहासों को रोकने के लिए एक बेहतरीन मार्क है।

वहीं, तीसरा तरीका यह है कि 2 से 3 चम्मच टमाटर की प्यूरी लें और इसमें 1 चम्मच नींबू का



रस डालें और मिला लें। अब इस मिश्रण को त्वचा पर लगाकर 10 से 15 मिनट बाद धो लें। यह स्किन पर काले धब्बे और पिगमेंटेशन को हटाने और त्वचा को चमकदार बनाने में मदद करेगा। चौथा तरीका यह है कि एक टमाटर को पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें। इसमें आधा चम्मच

हल्दी पाउडर डालें और मिला लें। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद धो लें। यह मार्क त्वचा की सूजन और रंग परिवर्तन जैसी समस्याओं को दूर करने में प्रभावी है। यह सूर्य की रोशनी से होने वाली त्वचा की क्षति को मरम्मत में भी मदद करेगा।

पांचवा तरीका यह है कि एक टमाटर को आधा काटें और उसपर थोड़ा चीनी छिड़क दें। आप इसका उपयोग अपने चेहरे और गर्दन पर तीन मिनट तक गोलाकार गति में धीरे-धीरे

धीरे मालिश करने के लिए कर सकते हैं। फिर इसे ठंडे पानी से धो लें। यह डेड स्किन सेल्स को हटाने और त्वचा को नरम बनाने के लिए सबसे अच्छा है। ऐसा करना भी चेहरे की चमक बढ़ाने में कारगर है।

## बहुत ज्यादा टेंशन होने पर कैसे करें मन शांत, जानिए काम आने वाले 5 तरीके

रोजाना के बिजी शेड्यूल की वजह से ज्यादातर लोग खुद के लिए समय नहीं निकाल पाते। भागदौड़ भरी जिंदगी में बहुत से लोग तनावग्रस्त हैं। तनाव की वजह से मन अशांत रहता है और बड़े फैसले लेना मुश्किल होता है। टेंशन के बीच मन को शांत रखना सरल काम नहीं है, लेकिन नामुमकिन भी नहीं है। छोटे-छोटे तरीकों को अपनाकर आप टेंशन में भी मन को शांत रख सकते हैं।

गहरी सांस लेना  
अपनी नाक से गहरी सांस लें और फिर कुछ सेकंड के लिए रोककर रखें बाद में अपने मुँह से धीरे-धीरे सांस छोड़ें। ऐसा करते समय अपनी सांस की अनुभूति पर ध्यान केंद्रित करें।

माइंडफुलनेस प्रैक्टिस आरंभ कीजिए  
अपने आस-पास के माहौल और शरीर की संवेदनाओं पर ध्यान दें। आप 5-4-3-2-1 तकनीक को आजमा सकते हैं। इसके लिए 5 ऐसी चीजें पहचानें जिन्हें आप देख सकते हैं, 4 ऐसी चीजें जिन्हें आप छू सकते हैं, 3 ऐसी चीजें जिन्हें आप सुन सकते हैं, 2 ऐसी चीजें जिन्हें आप सूंघ सकते हैं और 1 ऐसी चीज जिसे आप चख सकते हैं।

है।  
टहलने से मिलेगी मदद  
टेंशन के बीच मन को शांत रखने का सबसे अच्छा तरीका है कुछ मिनटों के लिए बाहर निकलें और वॉक करें। इस दौरान अपने आस-पास के वातावरण पर ध्यान केंद्रित करें।

शांत करने वाले म्यूजिक को सुनें  
बहुत ज्यादा टेंशन के बीच ऐसा करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। लेकिन अगर आप गलत फैसले लेने से बचना चाहते हैं तो मन शांत करने के लिए शांत करने वाले म्यूजिक को सुनें। म्यूजिक हृदय गति और ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद कर सकता है।

च्युइंग गम आरंभ कीजिए  
बहुत से लोग इसे खाना पसंद नहीं करते हैं लेकिन स्ट्रेस के बीच मन शांत करने में ये आपकी मदद कर सकती है। जब भी आपको तनाव महसूस हो तो च्युइंग गम चबाना शुरू कर दें। दरअसल च्युइंग गम चबाने से तनाव से जुड़े हार्मोन कोर्टिसोल के लेवल को कम करने में मदद मिलती है, जिससे यह तनाव को जल्दी से मैनेज करने में मदद करता है।

## नाट्यशास्त्र एवं शास्त्रीय नृत्य

भारतीय संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीन और समृद्ध संस्कृतियों में से एक है। इस संस्कृति की आत्मा उसके दर्शन, साहित्य, संगीत, नृत्य और नाट्य में निहित है। भारतीय शास्त्रीय नृत्य केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि आध्यात्मिक साधना, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और जीवन-दर्शन का सशक्त स्वरूप है। इन सभी कलाओं का मूल आधार भरतमुनि द्वारा रचित 'नाट्यशास्त्र' है, जिसे भारतीय रंगमंच, संगीत और नृत्य का प्रथम एवं सर्वाधिक प्रामाणिक ग्रंथ माना जाता है। नाट्यशास्त्र ने भारतीय प्रदर्शन कलाओं को वैज्ञानिक, दार्शनिक और व्यावहारिक आधार प्रदान किया है। आज भी भारत की सभी शास्त्रीय नृत्य शैलियाँ इसी ग्रंथ के सिद्धांतों का अनुसरण करती हैं।

### नाट्यशास्त्र का परिचय

नाट्यशास्त्र भारतीय नाट्यकला का प्राचीनतम ग्रंथ है, जिसकी रचना भरतमुनि ने लगभग दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व से दूसरी शताब्दी ईस्वी के मध्य की मानी जाती है। यह ग्रंथ लगभग 36 अथवा 37 अध्यायों में विभाजित है तथा इसमें लगभग 6000 श्लोक हैं। इसमें अभिनय, नृत्य, संगीत, रस, भाव, मंच-निर्माण, वेशभूषा, वाद्ययंत्र, गायन तथा कलाकार के गुणों का अत्यंत विस्तृत वर्णन किया गया है। भारतीय परंपरा में नाट्यशास्त्र को 'पंचम वेद' कहा गया है, क्योंकि इसमें चारों वेदों का सार समाहित माना गया है।

### नाट्यशास्त्र की उत्पत्ति

पौराणिक कथा के अनुसार, जब समाज में अधर्म, लोभ, क्रोध और असत्य बढ़ने लगा, तब देवताओं ने ब्रह्मा से ऐसा माध्यम बनाने का अनुरोध किया जिससे सभी वर्गों के लोग शिक्षा, प्रेरणा और मनोरंजन प्राप्त कर सकें। तब ब्रह्मा ने चारों वेदों से तत्व ग्रहण करके नाट्यवेद की रचना की।

- ऋग्वेद से - पाठ (संवाद)
- सामवेद से - संगीत
- यजुर्वेद से - अभिनय
- अथर्ववेद से - रस एवं भाव

इसके पश्चात ब्रह्मा ने नाट्यवेद भरतमुनि को प्रदान किया और उन्होंने अपने शिष्यों के साथ इसका प्रचार-प्रसार किया।

#### नाट्यशास्त्र का प्रसिद्ध श्लोक

न तज्ज्ञानं न तच्छिल्पं न सा विद्या न सा कला।

नासौ योगो न तत्कर्म नाट्येऽस्मिन् यन्न दृश्यते॥

भावार्थ : ऐसा कोई ज्ञान, शिल्प, विद्या, कला, योग या कर्म नहीं है जो नाट्य में सम्मिलित न हो। नाट्य सम्पूर्ण जीवन का प्रतिबिंब है।

### नाट्यशास्त्र के प्रमुख विषय

नाट्यशास्त्र में अनेक महत्वपूर्ण विषयों का वर्णन मिलता है, जिनमें प्रमुख हैं—

- रस सिद्धांत
- भावों का वर्गीकरण
- अभिनय के प्रकार
- हस्तमुद्राएँ
- अंग, उपांग एवं प्रत्यंग
- नृत्य एवं नाट्य
- संगीत एवं वाद्य
- रंगमंच निर्माण
- पात्रों के गुण
- वेशभूषा एवं शृंगार
- ताल एवं लय

इन सभी सिद्धांतों के कारण नाट्यशास्त्र केवल नाटक का ग्रंथ नहीं बल्कि सम्पूर्ण प्रदर्शन कला का विश्वकोश माना जाता है।

### शास्त्रीय नृत्य

शास्त्रीय नृत्य भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। यह नृत्य केवल शारीरिक गतिविधि नहीं बल्कि भाव, भक्ति, सौंदर्य और आध्यात्मिक चेतना की अभिव्यक्ति है। शास्त्रीय नृत्य नाट्यशास्त्र के सिद्धांतों पर आधारित होता है और इसमें निश्चित नियम, मुद्राएँ, ताल, लय तथा अभिनय का पालन किया जाता है। भारतीय शास्त्रीय नृत्य में शरीर, मन और आत्मा का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है। प्रत्येक प्रस्तुति में संगीत, लय, अभिनय और भाव का अद्भुत मेल होता है।

### भारत के आठ शास्त्रीय नृत्य

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त आठ प्रमुख शास्त्रीय नृत्य हैं—

- भरतनाट्यम
- तमिलनाडु
- कथक
- उत्तर भारत
- कथकली
- केरल
- मोहिनीअट्टम
- केरल
- कुचिपुडी
- आंध्र प्रदेश
- ओडिसी
- ओडिशा
- मणिपुरी
- मणिपुर
- सत्तिया
- असम

इन सभी नृत्य शैलियों की अपनी विशिष्ट शैली, वेशभूषा, संगीत और प्रस्तुति पद्धति है, परन्तु सभी का आधार नाट्यशास्त्र ही है।

—माया कुलश्रेष्ठ

लेखिका कथक कलाकार, सदस्य राजभाषा हिन्दी, भारत सरकार



# हर घर पर लहराता तिरंगा देश के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी का प्रतीक : रीती

हाथों में तिरंगा, दिल में देशभक्ति; विधायक के नेतृत्व में सेमरिया में निकली भव्य तिरंगा रैली

सीधी। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत गुरुवार को जनपद पंचायत सीधी की ग्राम पंचायत सेमरिया में राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। सीधी विधायक रीती पाठक के नेतृत्व में निकली इस रैली में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, छात्र-छात्राओं, युवाओं, महिलाओं, ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। हाथों में लहराते तिरंगे और भारत माता की जय, वंदे मातरम् एवं जय हिंद के जयघोष से पूरा सेमरिया राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा नजर आया।

तिरंगा रैली का शुभारंभ वेद अंशिका गार्डन से हुआ और रैली शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल सेमरिया तक निकाली गई। रैली में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, समाजसेवियों के साथ बड़ी संख्या में आम नागरिक शामिल हुए। छात्र-छात्राओं की अनुशासित एवं उत्साहपूर्ण भागीदारी रैली का विशेष आकर्षण रही। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर विद्यार्थियों ने



देशभक्ति के नारों के साथ लोगों को राष्ट्रध्वज के सम्मान और राष्ट्र की एकता-अखंडता के प्रति जागरूक किया।

इस अवसर पर विधायक रीती पाठक ने कहा कि हर घर पर लहराता तिरंगा देश के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्रता, संप्रभुता, एकता, अखंडता और गौरव की पहचान है। तिरंगे के प्रति सम्मान प्रत्येक भारतीय के हृदय में राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करता है। स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि देश के प्रति अपने कर्तव्यों

अनुशासन, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्रीय कर्तव्यों की भावना भी विद्यार्थियों के जीवन का हिस्सा बननी चाहिए। युवा शक्ति देश के विकास और राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण आधारशिला है। उन्होंने विद्यार्थियों से देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने वाले मूल्यों को अपनाने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

विधायक ने सभी नागरिकों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने तथा 'हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रध्वज के सम्मान के साथ हमें अपने राष्ट्रीय कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहना चाहिए।

समाजसेवी देव कुमार सिंह चौहान ने कहा कि तिरंगा हमारी राष्ट्रीय एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। 'हर घर तिरंगा' अभियान देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। सेमरिया में तिरंगा रैली में नागरिकों और छात्र-छात्राओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता यह दर्शाती है कि राष्ट्रप्रेम की भावना समाज के प्रत्येक वर्ग में मजबूती से विद्यमान है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को देश का भविष्य बनाते हुए कहा कि शिक्षा के साथ राष्ट्रप्रेम,

यह दर्शाती है कि प्रत्येक नागरिक के हृदय में राष्ट्र के प्रति सम्मान और गौरव की भावना है। उन्होंने सभी नागरिकों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने तथा राष्ट्रहित में अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।

रैली में जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू रामजी सिंह, जिला पंचायत सदस्य सरस्वती बहेलिया सहित जनप्रतिनिधियों की सहभागिता रही। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सोलंकी, उपखंड अधिकारी गोपदबनास प्रिया पाठक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सीधी चंदूलाल पनिका सहित प्रशासनिक अधिकारी भी रैली में शामिल हुए।

छात्र-छात्राओं, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। सभी वर्गों के लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों के साथ यात्रा में कदम से कदम मिलाया। रैली के दौरान पूरा मार्ग राष्ट्रीय भावना और देशभक्ति के उद्घोष से गुंजता रहा।

## स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में कलेक्टर करेंगे ध्वजारोहण

पुलिस परेड ग्राउंड में होगा जिला स्तरीय समारोह

सीधी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को जिला मुख्यालय सीधी में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में कलेक्टर विकास मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण करेंगे। स्थानीय पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित समारोह में कलेक्टर प्रातः 9 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। समारोह में देशभक्ति से ओतप्रोत विभिन्न कार्यक्रमों के साथ उत्कृष्ट कार्य करने वाले शासकीय सेवकों एवं प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस समारोह की निर्धारित कार्यक्रम रूपरेखा के अनुसार प्रातः

8.58 बजे मुख्य अतिथि का आगमन होगा। इसके बाद प्रातः 9 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। ध्वजारोहण के उपरांत राष्ट्रगान होगा तथा प्रातः 9.10 बजे परेड का निरीक्षण एवं मार्चपास्ट आयोजित किया जाएगा। प्रातः 9.20 बजे मुख्य अतिथि द्वारा परेड कमांडर एवं प्लाटून कमांडरों का परिचय प्राप्त किया जाएगा। इसके बाद प्रातः 9.25 बजे मुख्यमंत्री के संदेश का लाइव प्रसारण किया जाएगा। प्रातः 9.56 बजे मुख्य अतिथि कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बधाई संदेश का वाचन किया

जाएगा। समारोह में प्रातः 10.15 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां आयोजित होंगी। विभिन्न विद्यालयों एवं संस्थानों के प्रतिभागी देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और भारतीय संस्कृति पर आधारित प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस के उत्सव को भव्यता प्रदान करेंगे। कार्यक्रम के अंत में प्रातः 10.35 बजे उत्कृष्ट कार्य करने वाले शासकीय सेवकों तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार एवं प्रशस्ति प्रदान की जाएगी।

### 14 अगस्त को सीधी में निकलेगी हर घर तिरंगा रैली

सीधी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और अखंडता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत सीधी शहर में 14 अगस्त को भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया जाएगा। रैली में जिले के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों की सहभागिता रहेगी। तिरंगा रैली का शुभारंभ 14 अगस्त को सुबह 11 बजे छत्रसाल स्टेडियम से होगा। रैली छत्रसाल स्टेडियम से प्रारंभ होकर अस्पताल तिराहा, कलेक्ट्रेट तिराहा होते हुए होम गार्ड कार्यालय पहुंचेगी, जहां रैली का समापन होगा।

## कलेक्टर के निर्देश पर 17 से 25 अगस्त तक फार्मर रजिस्ट्री का विशेष अभियान

ग्राम पंचायत भवनों में उपस्थित रहेंगे पटवारी एवं लोकल युवा सर्वेयर

सीधी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने जिले में एग्रीस्ट्रेट योजना के अंतर्गत शत-प्रतिशत किसानों की फार्मर आईडी तैयार करने के लिए 17 से 25 अगस्त 2026 तक विशेष अभियान संचालित करने के निर्देश दिए हैं। जिले में फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति अपेक्षाकृत कम होने के कारण कलेक्टर ने निर्धारित समय-सीमा में शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं।

अभियान के दौरान प्रत्येक पटवारी एवं लोकल युवा सर्वेयर सभी कार्य दिवसों में संबंधित ग्राम पंचायत भवन में उपस्थित रहकर फार्मर रजिस्ट्री का कार्य करेंगे। उनकी उपस्थिति की सूचना कम

से कम एक दिन पूर्व ग्राम पंचायत के व्हाट्सएप समूह सहित अन्य माध्यमों से प्रसारित की जाएगी, ताकि अधिक से अधिक किसान पंचायत भवन पहुंचकर अपना पंजीयन करा सकें।

पटवारी लंबित फार्मर रजिस्ट्री, खसरा-नक्शा संबंधी विसंगतियों के परोक्षण, राजस्व प्रकरणों में आवश्यक प्रतिवेदन तथा पीएम-किसान योजना के लंबित आवेदनों के निराकरण की कार्यवाही भी करेंगे। लंबित हितग्राहियों की ग्रामवार एवं व्यक्तिवार सूची सारा पोर्टल से प्राप्त कर संबंधित राजस्व अधिकारी एवं ग्राम पंचायत के व्हाट्सएप समूह में साझा की जाएगी तथा

सूची के अनुसार किसानों की उपस्थिति सुनिश्चित कर उनका पंजीयन कराया जाएगा।

ग्राम कृषि विस्तार अधिकारी, ग्राम सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक किसानों की सूचना देने, आवश्यक अभिलेख उपलब्ध कराने तथा पंजीयन कार्य में पटवारी को सहयोग करेंगे।

कलेक्टर ने अधिकारियों को आपसी समन्वय से अभियान को प्रभावी रूप से संचालित करने के निर्देश दिए हैं।

अभियान की निगरानी के लिए प्रत्येक पटवारी को ग्राम पंचायत भवन से जीपीएस लोकेशन, दिनांक एवं समय सहित सेल्फी फोटो संबंधित राजस्व

अधिकारी के व्हाट्सएप समूह में साझा करनी होगी। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं तहसीलदार नियमित निरीक्षण कर पटवारियों की उपस्थिति एवं कार्य की प्रगति सुनिश्चित करेंगे। प्रतिदिन शाम को अनुविभागवार प्रगति जिला कार्यालय को उपलब्ध कराई जाएगी।

कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि निर्धारित दिवस पर अनुपस्थित रहने, लंबित हितग्राहियों की सूची साझा नहीं करने अथवा कार्य में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।

## उपनी में निकली तिरंगा यात्रा, भारत माता की जय के नारों से गुंजा क्षेत्र

सीधी। सीधी विकासखंड अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उपनी में हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने हाथों में तिरंगा लेकर पूरे उत्साह के साथ भारत माता की जय और वंदे मातरम् के गगनभेदी नारे लगाए। देशभक्ति के नारों से विद्यालय सहित आसपास का पूरा क्षेत्र देशभक्ति के रंग में रंग गया।

प्रशासन के निर्देशानुसार जिले के सभी विद्यालयों में 9 से 17 अगस्त तक चलाए जा रहे हर घर



तिरंगा अभियान के अंतर्गत जन-जागरूकता एवं देशभक्ति की भावना के प्रसार के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उपनी में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया।

विद्यालय के प्राचार्य सुरेशधर द्विवेदी के मार्गदर्शन में छात्र-छात्राओं ने बटु-चढ़कर भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर विद्यार्थी पूरे उत्साह के साथ यात्रा में शामिल हुए और देशभक्ति के नारे लगाए। इससे

विद्यालय परिसर एवं आसपास का वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत हो गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शैक्षणिक प्रभारी कृष्ण गिरी एवं कृष्णा मिश्रा के द्वारा विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं में तिरंगा यात्रा एवं देशभक्ति के लिए भाव जाग्रत किया गया ही कृपा सागर पांडेय एवं जनशिक्षक अरविन्द कुमार तिवारी का भी योगदान सराहनीय रहा। साथ ही विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक-शिवराज प्रजापति, सुनील मिश्रा, शोभनाथ साकेत, रामनिवास

शुक्ला, मोनाक्षी मिश्रा, अजय मिश्रा, प्रतिभा सिंह, वीणा दीक्षित, सनमान द्विवेदी, राकेश कुमार वर्मा, अरविंद कुमार तिवारी, जगत बहादुर सिंह चौहान, राघवेंद्र खरे, प्रतीक माझी, वीणा मिश्रा, सीमा तिवारी, वैष्णवी तिवारी, सुनील द्विवेदी, सूर्यकुमार कुशवाहा, राम सुमिरन कुशवाहा, वैष्णवी तिवारी, सीमा तिवारी, एस.वी. शुक्ला, रेशमा पांडेय, महेंद्र छिपेकर, सुनील कुमार द्विवेदी, रामकरण साकेत, वंश गोपालपुर,नारायण कोल, संजीव गौर,राजा बाबू चौधरी, संत कुमार सिंह मौजूद रहे।

## गणेश सिंह परिहार को प्राप्त हुई डॉक्टर के की उपाधि

शोध से मिल सकती है सीधी जिले में उद्योगों के विकास को गति

सीधी। मध्य प्रदेश राज्य मानवाधिकार आयोग, पर्यावास भवन, भोपाल से सीधी जिले में नियुक्त जिला आयोग मित्र समिति शिकावत प्रकोष्ठ के जिला कॉर्डिनेटर आयोग मित्र श्री गणेश प्रताप सिंह ने अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय से वाणिज्य विषय में शोध कार्य पूर्ण कर पीएचडी डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त हासिल की। शोध शीर्षक मध्य प्रदेश के आर्थिक विकास में उद्योगों की भूमिका - एक विश्लेषणात्मक



अध्ययन (सीधी जिले के विशेष संदर्भ में) पर शोध कार्य पूर्ण किया गौरतलब है कि यह शोध सीधी जिले में उद्योगों को बढ़ावा देने में मददगार साबित हो सकता है साथ ही जिले के आर्थिक विकास में अपनी भूमिका अदा करेगा। उपाधि प्राप्त करने पर घर परिवार व स्वजनों

सहकर्मियों में खुशी का माहौल है। इस सफलता का श्रेय गणेश सिंह ने अपने माता पिता गुरु भाइयों आदि को दिया है। संजय गांधी कॉलेज के प्राचार्य डॉ प्रभाकर सिंह, पिता राजेंद्र सिंह माता श्रीमती रंजना सिंह बड़े भाई डॉ राजेश सिंह एवं डॉ बृजेश सिंह, भारती सिंह मोनिका सिंह संतोष सोंधिया, मिथिलेश सिंह विमलेश सिंह राजेश सिंह धनराम सिंह वीरेंद्र खरे डा पुष्पेंद्र रजक विनय सोनी आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

## गणेश स्कूल में गुंजा देशप्रेम, पोस्टर और क्राफ्ट में दिखी बच्चों की प्रतिभा



सीधी। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में स्थानीय एसजीएसएस स्कूल, पड़रा में गुरुवार को विशेष रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कक्षा पहली एवं दूसरी के विद्यार्थियों ने लंबी शीट पर सामूहिक रूप से तिरंगे में रंग भरकर देशभक्ति और एकता की भावना को प्रस्तुत किया। वहीं, कक्षा तीसरी से पांचवीं तक के विद्यार्थियों ने पोस्टर एवं क्राफ्ट प्रतियोगिता में भाग लेकर

ने अपनी कला और कल्पनाशीलता से स्वतंत्रता दिवस की भावना को खूबसूरती से प्रस्तुत किया। उनकी उत्साहपूर्ण भागीदारी सराहनीय है। विद्यालय के कला शिक्षक राजकपूर चितेरा ने बताया, बच्चों द्वारा तैयार की गई कलाकृतियों में उनकी रचनात्मक सोच, कल्पनाशीलता और देशप्रेम की सुंदर झलक देखने को मिली। पोस्टर और क्राफ्ट के माध्यम से बच्चों ने स्वतंत्रता दिवस की भावना को बहुत ही आकर्षक तरीके से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्राइमरी कोऑर्डिनेटर रेखा शर्मा, अंकुर मिश्र, सुजीत दीक्षित, रोहित पाण्डेय, कला शिक्षिका वीना सिंह चौहान, सृष्टि पांडेय, रचना तिवारी एवं प्रियंका सिंह सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं की उपस्थिति रही।

स्वतंत्रता दिवस से जुड़े विषयों पर अपनी कला और रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों ने आकर्षक पोस्टर और सुंदर क्राफ्ट तैयार कर अपनी कल्पनाशीलता का परिचय दिया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेंद्र कुमार तिवारी ने कहा, ऐसी गतिविधियां बच्चों में देशप्रेम के साथ उनकी रचनात्मकता और आत्मविश्वास को बढ़ावा देती हैं। एच.एम. माइमा सिमंस ने कहा, बच्चों

## अवैध गांजा विक्रय एवं एनडीपीएस एक्ट के मामले में आरोपी को 04 वर्ष का कठोर कारावास

सीधी। बताया गया कि दिनांक- 31.03.2025 को समय 15:00 बजेमुखबिर द्वारा ग्राम बेल्ह में सूचना मिली कि ग्राम हनुमानगढ़ का तिलकराज सिंहगोड़ काले रंग की मोटरसाईकिल में एक झोला में अवैध मादक पदार्थ गांजा कीचिकी करते हेतु ग्राम दुधमनिया कटार रोड़ में ग्राम दुधमनिया में पहाड़ी के पास रोड़किनारे ग्राहक के इंतजार में खड़ा है। उक्त सूचना पर प्रारंभिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए पुलिस द्वारा शासकीय वाहन से मुखबिर के बताये स्थान ग्राम दुधमनिया पहाड़ी के पास पहुंचकररोड़ कार्यवाही की गई तो एक व्यक्ति रोड़ के किनारे काले रंग की मोटरसाईकिलमें एक सफेद रंग का झोला टांगे मिला, जिससे उसका नाम पता पूछा गया तो अपना नाम तिलकराज सिंह गोंड़ पिता जयपाल सिंह गोंड़, उम्र- 30 वर्ष, निवासी हनुमानगढ़हस्टल के पास चौकी सेमरिया, थाना चुरहट, जिला

सीधी का होना बताया। उक्तसंदेही को मुखबिर की सूचना से अवगत कराया गया। मुखबिर के बताये अनुसार संदेही के मोटरसाईकिलक्रमांक एम.पी. 17 जेड ए 7675 के बाएं तरफ हैण्डल में टंगा सफेद कलर के झोलाकी तलाशी ली गई, जिसमें 3 ना अवैध मादक पदार्थ गांजा के पैकेट जैसे जो टेपलगे हुए एवं हलट में मिले, जिसका तलासी एवं बरामदगी पंचनामा तैयार कियागया। संदेही तिलकराज सिंह गोड़ की जामा तलाशी ली गई जो लोभर के दाहिनेजेबमें 1 ना ग्रेफाइट ब्लैक कलर का ओपों कंपनी का मोबाइल मिला। संदेहीतिलकराज सिंह गोड़ से बरामद गांजा के पैकेट को खोलकर हमारा स्टफ वसाधियों से व उसने स्वयं सूंघकर, राइडर पहचान की जो अवैध मादक पदार्थ गांजाजैसा होना पाया गया, जिसका पंचनामा तैयार किया गया। इसके पश्चात बरामदशुदागांजा की

3 पैकेटों को खोलकर एवं टेप लगी पत्रियों से निकाल कर वही पर रोड़के किनारे एक बरसाती में समस्त किया जाकर उसी सफेद झोले में भरा गया, उक्तसंबंध में समस्त पंचनामा तैयार किया गया। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन काभौतिक सत्यापन किया गया, गांजे की तौल इलेक्ट्रॉनिक मशीनसे किये जाने पर झोला सहित कुल गांजा 3 किलो 65 ग्राम कीमती करीबरु36,500/-रूपए का होना पाया गया, जिसका तौल पंचनामा तैयार किया गया।ब्रामद शुदा अवैध मादक पदार्थ गांजा एवं मोबाइल को अलग-अलग सफेद रंग केकपड़े में रखकर शील चपरा से शील बंद किया जाकर पंचनामा तैयार किया गया।गयातथा बरामदशुदा अवैध मादक पदार्थ गांजा कुल 3 किलो 65 ग्राम, कीमतीरु36,500/-रूपए, एवं 01 ना ओपों कंपनी का पुराना इस्तेमाली मोबाइल कीमतीरु10,000/-रूपए, काले

रंग की मोटरसाईकिल क्रमांक एम.पी. 17 जेड ए 7675 पल्लर160 कीमती 1,30,000/-रूपए गवाहों के समक्ष जप्त कर पुलिस कब्जे में लियागया। संदेही तिलकराज सिंह गोंड़ का उक्त कुल धारा 8/20बी एन.डी.पी.एसएक्ट के अंतर्गत दण्डनीय पाया गया। अभियुक्त तिलकराज सिंह गोड़ को गिरफ्तारीका कारण बताते हुए, साधियों के समक्ष गिरफ्तार किया गया, गिरफ्तारी सूचनाउसके परिजनों को दी गई। इसके पश्चात अभियुक्त के विरुद्ध चौकी सेमरिया मेंप्राथमिकी दर्ज की गई एवं असल नंबर पर कायमी हेतु थाना चुरहट भेजा गया,जिसके आगेपर पर अभियुक्त तिलकराज सिंह गोड़ के विरुद्ध थाना चुरहट के अपराधक्रमांक 232/2025, अंतर्गत धारा 8, 20बी एन.डी.पी.एस. एक्ट की प्रथम सूचना रिपोर्टलेखबद्ध की गई। अनुसंधान के दौरान फरियादी,

साधियों के कथन लेखबद्ध कियेगये। शेष संपूर्ण अनुसंधान उपरांत अभियुक्त केविरुद्ध अधियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जिसके न्यायालयीन विशेष सत्र प्रकरण क्रमांक 437/2025 में शासन की ओर से सशका पैरवी करते हुए अपर लोक अभियोजक श्री अरूण मिश्रके द्वारा अभियुक्तको संदेह से परे प्रमाणित कराया गया।परिणामस्वरूप माननीय विशेष न्यायाधीश-एनडीपीएस एक्टट,जिला सीधी (म.प्र.) की न्यायायालय के द्वारा अभियुक्त तिलकराज सिंह गोड़उनय जयपाल सिंह, उम्र-33 वर्ष,निवासी ग्राम-हनुमानगढ़, पुलिस चौकी-सेमरिया,थाना-चुरहट, जिला-सीधी (म.प्र.) को धारा 8 सहपठित धारा 20(बी) (आईआई) (बी) एनडीपीएस एक्टमें 04 वर्ष का कठोर कारावास एवं दस हजार रूपये अर्थदण्डप से दंडित किया गया।





‘ओह माय डॉग’ कमाई में सबसे पीछे; जानें बाकी फिल्मों का हाल

## 450 करोड़ की दहलीज पर ‘स्पाइडर मैन 4’



इन दिनों हॉलीवुड की दो बड़ी फिल्में- मार्वल की स्पाइडर मैन- ब्रांड न्यू डे और क्रिस्टोफर नोलन की ‘द ओडिसी’ सिनेमाघरों में धूम मचा रही हैं। इन फिल्मों के बीच 2 और फिल्में रिलीज हो चुकी हैं। जानिए इन सब का कलेक्शन। ‘ओह माय डॉग’ बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा खास कमाल नहीं कर पा रही है। अब इसका कलेक्शन दिखना भी बंद हो गया है, इसी वजह से गुरुवार के कलेक्शन की जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म ने बुधवार को महज 25 लाख की कमाई की थी। इसके साथ फिल्म का टोटल कलेक्शन 4 करोड़ का हो गया है। पंकज त्रिपाठी की फिल्म ‘ओह माय डॉग’ 7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। साउथ इंडियन फिल्म ‘डीसी द ब्लडी वेलेंटाइन’ भी ‘ओह माय डॉग’ के साथ 7 अगस्त को रिलीज हुई थी। लेकिन ‘ओह माय डॉग’ के मुकाबले ‘डीसी द ब्लडी वेलेंटाइन’ बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। फिल्म ने गुरुवार को 3.90 करोड़ की कमाई की। इसके साथ फिल्म का टोटल कलेक्शन 41.65 करोड़ का हो गया है। मार्वल मूवी ‘स्पाइडर-मैन- ब्रांड न्यू डे’ रिलीज के बाद से ही बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई कर रही है। फिल्म ने रिलीज के बाद पहले हफ्ते में 334.75 करोड़ की ताबड़तोड़ कमाई की थी। इसके बाद दूसरे हफ्ते में 103.25 करोड़ की कमाई की। दो हफ्तों के बाद भी फिल्म शानदार कमाई कर रही है। कल गुरुवार को इसने 5.40 करोड़ की कमाई की। इसके साथ फिल्म का टोटल कलेक्शन 443.43 करोड़ का हो गया है। वीकएंड पर इसकी कमाई में और बढ़ोतरी हो सकती है।

## रुक्मिणी वसंत ने टॉक्सिक को बताया अब तक किए हर काम से बिल्कुल अलग

मुंबई मुंबई में टॉक्सिक- अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स के म्यूजिक लॉन्च पर रुक्मिणी वसंत ने फिल्म का हिस्सा बनने और मेलिसा की दुनिया में कदम रखने के अपने एक्सपीरियंस के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह प्रोजेक्ट उनके अब तक के किए गए काम से बिल्कुल अलग है। टॉक्सिक को अपने लिए खास बताते हुए रुक्मिणी ने कहा, टॉक्सिक मेरे लिए, और इस फिल्म का हिस्सा रहे हर इंसान के लिए बेहद स्पेशल फिल्म है। ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनके बारे में मैं बात कर सकती हूँ। जिस दुनिया में हम रहते हैं, उसका एक्सपेंसिव होना, फिल्म का स्केलज पहली बार जब मैंने इसके बारे में सुना था, तभी इसका स्केल मुझे बहुत इम्प्रेस कर गया था। हालांकि, रुक्मिणी ने बताया कि उन्हें फिल्म की तरफ सिर्फ इसका स्केल और ग्रैंडयोर ही नहीं खींच लाया, बल्कि इसके किरदारों की कॉम्प्लेक्सिटी ने भी उन्हें काफी एक्साइट किया। उन्होंने कहा,

टॉक्सिक को अपने लिए खास बताते हुए रुक्मिणी ने कहा, टॉक्सिक मेरे लिए, और इस फिल्म का हिस्सा रहे हर इंसान के लिए बेहद स्पेशल फिल्म है। ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनके बारे में मैं बात कर सकती हूँ। जिस दुनिया में हम रहते हैं, उसका एक्सपेंसिव होना, फिल्म का स्केलज पहली बार जब मैंने इसके बारे में सुना था, तभी इसका स्केल मुझे बहुत इम्प्रेस कर गया था। हालांकि, रुक्मिणी ने बताया कि उन्हें फिल्म की तरफ सिर्फ इसका स्केल और ग्रैंडयोर ही नहीं खींच लाया, बल्कि इसके किरदारों की कॉम्प्लेक्सिटी ने भी उन्हें काफी एक्साइट किया। उन्होंने कहा, फिल्म के स्केल और इस दुनिया की ग्रैंडयोर के साथ-साथ, हर किरदार का ग्रे शेड भी बहुत शानदार है। हर किरदार इतना रॉ

और इतना ह्यूमन है। रुक्मिणी ने बताया कि वह यह जानने को लेकर काफी एक्साइटेड थीं कि टॉक्सिक की इस बड़ी दुनिया में मेलिसा की जगह क्या है और उसका बाकी किरदारों के साथ कनेक्शन कैसा है। उन्होंने कहा, मैं यह डिस्कवर करने को लेकर बहुत एक्साइटेड थी कि मेलिसा इस दुनिया में कहाँ फिट होती है और बाकी किरदार एक-दूसरे से कैसे जुड़े हुए हैं। यह सब किस तरह आपस में जुड़ा हुआ है, इसे लेकर मैं बहुत क्यूरियस थी। एक्टर ने यह भी माना कि यश के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिलना उनके लिए एक्साइटिंग एक्सपीरियंस था। रुक्मिणी ने कहा, यश सर की फैनगर्ल होना और फिर उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिलना, मेरे लिए यह भी एक बहुत शानदार एक्सपीरियंस था। जब रुक्मिणी से पूछा गया कि टॉक्सिक को उनके लिए इतना खास क्या बनाता है, खासकर तब जब ऑडियंस ने उन्हें इससे पहले ऐसी दुनिया या किरदार में नहीं देखा है, तो उन्होंने कहा, यह अब तक मैंने जो भी काम किया है, उससे बिल्कुल अलग है। मुझे लगता है कि इसमें एक यूनिक्नेस है और उनके किरदार में एक खास तरह का जे ने से क्ना है। गीतू मोहनदास के डायरेक्शन में बनी टॉक्सिक अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में यश, नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी नजर आएंगे। फिल्म 26 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

## मेलबर्न फिल्म फेस्टिवल में रानी मुखर्जी को मिला सम्मान, मेरे किरदारों ने मुझे बेहतर इंसान बनाया

अभिनेत्री रानी मुखर्जी को हाल ही में भारतीय फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) में बेहतरीन एक्टिंग के लिए साइडेशन से सम्मानित किया गया है। इसे लेकर अभिनेत्री का मानना है कि वह खुशकिस्मत हैं कि उन्हें ऐसी महिलाओं का किरदार निभाने का मौका मिला जो खुलकर हंसीं, दिल से प्यार किया, बेधड़क लड़ाई लड़ी और कभी खुद पर भरोसा करना नहीं छोड़ा। रानी मुखर्जी ने अपने करियर में अलग-अलग तरह की फिल्मों की हैं और समकालीन हिंदी सिनेमा की कुछ सबसे यादगार महिला किरदार निभाए हैं। ब्लैक, हम-तुम, युवा, बंटी और बबली, नो वन किलड जैसिका, हिचकी, मर्दानी और मैसेज चटर्जी वसेज नोर्वे जैसी फिल्मों में उनके काम ने एक अभिनेत्री के तौर पर उनके शानदार सफर को दिखाया है। साथ ही, यह भी साबित किया गया है कि वह आज भी अच्छी कहानियां बताने में माहिर हैं। अभिनेत्री ने अपना करियर याद करते हुए कहा, जब मैंने एक छोटी लड़की के तौर पर इंडस्ट्री में कदम रखा था, तब मैंने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन मेरी फिल्मों और वे किरदार, जिन्हें निभाने का मुझे सौभाग्य मिला है, ये सब मुझे समंदर पार ले जाएंगे और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश के लोग मुझे इतने प्यार से अपनाएंगे। रानी मुखर्जी ने कहा, सिनेमा से दुनियाभर के लोगों का मनोरंजन करना इस प्रोफेशन का मुझे दिया गया सबसे बड़ा तोहफा है। ऑस्ट्रेलिया ने हमेशा मेरा और इंडियन सिनेमा का खुले हाथों से स्वागत किया है। यह एक ऐसी जगह बन गई है, जहाँ कहानी सुनाने के जरिए कल्चर मिलते हैं, जहाँ फिल्मों हमें याद दिलाती हैं कि भावनाओं को पासपोर्ट की जरूरत नहीं होती और प्यार, हंसी और उम्मीद एक ऐसी भाषा बोलते हैं जिसे हम सब समझते हैं। अभिनेत्री ने कहा कि एक एक्टर के तौर पर वे कैमरे के सामने परफॉर्म करती हैं, लेकिन असली कहानी तब शुरू होती है, जब वह परफॉर्म किसी के दिल तक पहुंचती है। उन्होंने कहा, ये जानकर बहुत अच्छा लगता है कि पिछले 30 वर्षों में मेरी फिल्में, किरदार और आवाज घर से इतनी दूर तक पहुंची और आप लोगों की जिंदगी में अपनी जगह बना पाई। अभिनेत्री ने बताया कि वे खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें ऐसी महिलाओं का किरदार निभाने का मौका मिला जो खुलकर हंसीं, दिल से प्यार किया, निडर होकर लड़ीं और कभी खुद पर यकीन करना नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा, कई मायनों में हर किरदार ने मुझे थोड़ा बदला है।



### वी गॉट यू गर्ल का ट्रेलर आउट, दोस्ती-स्टाइल और सपोर्ट का परफेक्ट कॉम्बो 18 अगस्त को होगा रिलीज

अभिनेत्री बरखा वता और आयशा अहमद द्वारा होस्ट की गई सीरीज वी गॉट यू गर्ल के मेकर्स ने शुक्रवार को इसका ट्रेलर रिलीज कर दिया है। यह शो सिस्टरहुड, दोस्ती और कॉम्पिडेंस पर आधारित है। यह सीरीज रोजमर्रा के स्टाइल, ब्यूटी और कॉम्पिडेंस से जुड़ी छोटी-बड़ी परेशानियों को मजेदार तरीके से दिखाएगी। साथ ही, महिला दोस्ती और एक-दूसरे के सपोर्ट की अहमियत को भी सेलिब्रेट करती है। 15 एपिसोड की इस सीरीज में हर एपिसोड में अलग-अलग महिलाएं नजर आएंगी, जो अपने स्टाइल, ब्यूटी या कॉम्पिडेंस से जुड़ी किसी भी दिक्कत के लिए सलाह मांगने आती हैं। शो में बरखा और आयशा अहमद के साथ इस बार एटीकेट और ट्रांसफॉर्मेशन कोच माणिक कोर भी हैं। वो अपने एक्सपर्ट टिप्स से सभी के मेकओवर में मदद करेंगी। शो के बारे में अभिनेत्री बरखा का कहना है कि जिंदगी के हर मोड़ पर हमें लड़कियों की जरूरत होती है। यह शो भी हमने बस लोगों को यही समझाने के लिए बनाया है। उन्होंने कहा, वी गॉट यू गर्ल एक ऐसा शो है, जहां मैं और आयशा की केमिस्ट्री नेचुरल नजर आएगी। शो के लिए मैं, इसलिए एक्साइटेड हूँ कि जब यह आएगा तो हमारे ऑडियंस हमारी दुनिया का हिस्सा बनेंगे।

### अक्षय कुमार और सिद्धार्थ मल्होत्रा की ब्रदर्स ने पूरे किए 11 साल, जैकी श्रॉफ ने शेयर किए फिल्म के खास पल

करण मल्होत्रा की एक्शन-ड्रामा फिल्म ब्रदर्स ने अपनी रिलीज के 11 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर अभिनेता जैकी श्रॉफ ने फिल्म से जुड़ी पुरानी क्लिप्स को सोशल मीडिया के जरिए शेयर किया। जैकी श्रॉफ ने लिखा, फिल्म ब्रदर्स ने अपनी रिलीज के 11 साल पूरे कर लिए हैं। करण मल्होत्रा के निर्देशन में बनी फिल्म मिक्सड मार्शल आर्ट्स पर आधारित है और 2011 की हॉलीवुड फिल्म वॉरियर का आधिकारिक रीमेक है। इस फिल्म में मुख्य अभिनेता अक्षय कुमार (डेविड फर्नांडिस) और सिद्धार्थ मल्होत्रा (मोंटी फर्नांडिस) जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में थे। जैकी श्रॉफ (पिता गैरी फर्नांडिस), जैकलीन फर्नांडिस (डेविड की पत्नी जैनी) और शेफाली शाह जैसे कलाकारों ने सहायक भूमिका अदा की थी। अजय-अतुल ने फिल्म का संगीत दिया था, जो आज भी म्यूजिक लवर्स की लिस्ट में शुमार है। करण जोहर, हीरू जोहर और एंडेमोल इंडिया ने फिल्म के निर्माण कार्य



का काम किया था। फिल्म ब्रदर्स में जैकी श्रॉफ ने मुख्य किरदारों डेविड (अक्षय कुमार) और मोंटी (सिद्धार्थ मल्होत्रा) के पिता गैरी फर्नांडिस का दमदार और भावनात्मक किरदार निभाया है। फिल्म में गैरी फर्नांडिस (जैकी श्रॉफ) एक शराबी और पूर्व मुक्केबाज हैं। अतीत की कुछ घटनाओं और पारिवारिक कलह के कारण उनके दोनों बेटे, डेविड और मोंटी, अलग-अलग रास्तों पर निकल जाते हैं और उनके बीच दूरियां आ जाती हैं। डेविड एक फिजिक्स टीचर है जो अपनी बीमार बेटी के इलाज के लिए पैसों का इंतजाम करने के वास्ते फिर से फाइटिंग की दुनिया में लौटता है। वहीं मोंटी एक आक्रामक और स्ट्रीट फाइटर के रूप में सामने आता है। कहानी का मुख्य आकर्षण राइट टू फाइट नामक एक बड़ा मिक्सड मार्शल आर्ट्स टूर्नामेंट है, जहां अंत में दोनों भाई (डेविड और मोंटी) रिंग में एक-दूसरे के आमने-सामने होते हैं और उनके बीच एक भावनात्मक व खूबखार मुकाबला होता है।

## शिल्पा शिरोडकर ने जानी लीवर को बताया सबसे खास, बोलीं- आपके जादू और हंसी के बिना अधूरा है सिनेमा

फिल्मों में कभी बाबूलाल बनकर तो कभी छोटा छत्री और असलम भाई जैसे किरदारों में जानी लीवर ने ऐसा रंग जमाया कि फिल्मों में उनका रोल छोटा हो या बड़ा, दर्शकों का ध्यान उन पर जरूर जाता था। 14 अगस्त को वह अपना 69वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर फिल्म इंडस्ट्री से उन्हें लगातार बधाइयां मिल रही हैं। इस कड़ी में अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर ने भी जानी लीवर को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। शिल्पा शिरोडकर ने इंस्टाग्राम पर जानी लीवर की एक तस्वीर साझा की और उनके जन्मदिन पर प्यार भरी शुभकामनाएं दीं। शिल्पा ने अपने कैप्शन में लिखा, हमारी इंडस्ट्री के सबसे खास लोगों



में से एक, जानी लीवर को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। मैं हमेशा से आपके जबरदस्त टैलेंट को बहुत बड़ी फैन रही हूँ, लेकिन स्क्रीन के अलावा, आप सबसे सच्चे, असली और सच में मजेदार इंसान हैं। भारतीय सिनेमा आपके जादू और हंसी के बिना सच में अधूरा है। भगवान आपको बहुत खुशी, अच्छी सेहत और कभी न खत्म होने वाली खुशियां दें। हैप्पी बर्थडे! जानी लीवर की जिंदगी भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं रही है। फिल्मों में आने से पहले उनकी जिंदगी काफी संघर्षों से भरी थी। आर्थिक परेशानियों के चलते उन्होंने सातवाँ क्लास के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी और मुंबई की सड़कों पर पेन बेचने का काम करते थे।



# बैरसिया नगरपालिका अध्यक्ष तनुश्री कुलदीप सिंह राठौड़ ने किया ध्वजारोहण

» शहीद परिवारों के घर जाकर प्रशासन ने किया सम्मान » अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने भी किया ध्वजारोहण

प्रदीप कुमार बैरसिया

आजादी का महापर्व 15 अगस्त देश भर के साथ-साथ बैरसिया में भी पूरे उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया गया। भारत की आन-बान-शान तिरंगा झंडा नगर के सभी शासकीय कार्यालय, विद्यालयों-महाविद्यालय और प्रमुख चौक-चौराहों पर राष्ट्रीय गान जन-गण-मन और भारत माता की जय%के नारों के साथ ध्वजारोहण किया गया।

सुबह से ही छोटे-छोटे बच्चे अपने हाथों में तिरंगा झंडा लेकर विद्यालयों की ओर जाते दिखाई दिए। सभी के लिए यह दिन किसी उत्सव से कम नहीं था। लोग हंसते-गाते हाथ में तिरंगा लेकर भारत माता की जयकार करते नजर आए।

## दशहरा मैदान में विकास खंड स्तरीय कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नगर के दशहरा मैदान में विकास खंड स्तरीय ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें में क्षेत्रीय विधायक विष्णु खत्री, जनपद पंचायत अध्यक्ष लता कुबेर सिंह गुर्जर नगरपालिका अध्यक्ष तनुश्री कुलदीप सिंह राठौड़, पुर्व विधायक जोधाराम गुर्जर, पुर्व विधायक भक्तपाल सिंह राठौड़, पुर्व विधायक ब्रम्हानंद रत्नाकर विशेष रूप से उपस्थित रहे।



विकास खंड स्तरीय ध्वजारोहण जनपद अध्यक्ष लता कुबेर सिंह गुर्जर द्वारा किया गया। शासकीय विद्यालयों की स्काउट-गाइड एन.सी.सी के छात्र-छात्राओं ने परेड कर ध्वज को सलामी दी। इसके पश्चात कार्यक्रम की शुरुआत माननीय मुख्यमंत्री के संदेश वाचन से हुई,

जिसमें प्रदेश की आगामी योजनाओं के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में छात्र-छात्राएं नगर के गणमान्य नागरिक शामिल हुए। शासकीय सांविपनी ठाकुर लाल सिंह हायर सेकेंडरी स्कूल और पीएम श्री शासकीय सरोजिनी नायडू स्कूल सहित अन्य

अशासकीय विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सबका मन मोह लिया।

## मेधावियों और कर्मचारियों का सम्मान

कार्यक्रम के समापन पर वार्षिक परीक्षाओं में उत्कृष्ट

प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विशेष प्रस्तुति के लिए शासकीय सांविपनी स्कूल को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को उत्कृष्ट सेवा कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

## कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम के साथ हुआ।

इस अवसर पर सभी विभागों के खंड स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी, विद्यालयों के प्राचार्य, गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

## व्हाइट हाउस में भारत माता की आरती के साथ ध्वजारोहण

नगर के प्रतिष्ठित व्हाइट हाउस में समाजसेवी नरेंद्र जैन एवं अभिषेक जैन द्वारा विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी भारत माता की आरती के साथ ध्वजारोहण किया गया। इस कार्यक्रम में विधायक विष्णु खत्री, पुर्व राज्यसभा सांसद सुरेंद्र सिंह ठाकुर, पुर्व विधायक जोधा राम गुर्जर, सेवा दल के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव सहित नगर के वरिष्ठ समाजसेवी, जनप्रतिनिधि प्रवक्ता और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

# एसपीएम कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर इंटक नेताओं ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से की मुलाकात

जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने जीतू पटवारी को बताई कर्मचारियों की समस्याएं, समाधान का मिला आश्वासन



भोपाल/नर्मदापुरम

//एसपीएम नर्मदापुरम कर्मचारी यूनियन की इंटक शाखा के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी से भोपाल स्थित उनके निवास पर मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने एसपीएम नर्मदापुरम के कर्मचारियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और लंबे समय से लंबित मांगों को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के समक्ष रखा।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को बताया कि एसपीएम के कर्मचारी लंबे समय

से विभिन्न समस्याओं से जूझ रहे हैं। कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए कई स्तरों पर प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अभी तक उन्हें अपेक्षित समाधान नहीं मिल पाया है। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए शासन स्तर पर उचित पहल किए जाने का आग्रह किया।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल कर्मचारी नेताओं ने भी एसपीएम से संबंधित कर्मचारियों की समस्याओं से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को अवगत कराया और उनके निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई की मांग रखी। इस पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

जीतू पटवारी ने कर्मचारी नेताओं को आश्वासन करते हुए कहा कि कर्मचारियों की जो भी समस्याएं हैं, उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और समस्याओं के निराकरण के लिए उचित स्तर पर पहल करने का भरोसा दिलाया। कर्मचारी नेताओं ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई होगी।

यह जानकारी जिला कांग्रेस प्रवक्ता अनिल रैक्कार द्वारा जारी प्रेस वृत्ति के माध्यम से दी गई।

## अग्रवाल बहुरानी मंडल ने मनाया 'जशन-ए-हिंदुस्तान' उत्सव



**इटारसी।** अग्रवाल समाज की संस्था अग्रवाल बहुरानी मंडल द्वारा स्वतंत्रता दिवस की संस्था पर शहर के साई कृष्णा रिसोर्ट में 'जशन-ए-हिंदुस्तान' उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की थीम 'सावन के रंग, आजादी के संग' रखी गई, जिसमें अग्रवाल समाज की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए देशभक्ति और सावन की खुशियों का रंग बिखेरा।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजन एवं देशभक्ति से जुड़े आयोजन किए गए। हाउजी, देशभक्ति पर आधारित फैशन शो तथा देशभक्ति गीतों पर नृत्य प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रही। महिलाओं ने देशभक्ति गीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुत कर स्वतंत्रता दिवस के उत्सव को यादगार बना दिया।

बहुरानी मंडल की अध्यक्ष नीलम अग्रवाल ने बताया कि मंडल द्वारा इस प्रकार का उत्सव पहली बार आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में दो प्रमुख विषय 'रंग-ए-सावन' और 'जशन-ए-हिंदुस्तान' रखे गए थे। दोनों ही विषयों को महिलाओं ने उत्साह और रचनात्मकता के साथ प्रस्तुत किया। सावन की उमंग के साथ देशभक्ति का उत्साह पूरे कार्यक्रम में दिखाई दिया।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल देश की आजादी का पर्व ही नहीं, बल्कि देश के प्रति सम्मान, एकता और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का अवसर भी है। इसी भावना के साथ महिलाओं ने कार्यक्रम में बहु-चदकर सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने देशभक्ति गीतों पर सामूहिक नृत्य कर वातावरण को देशभक्ति से सराबोर कर दिया। रंग-बिरंगे परिधानों और आकर्षक प्रस्तुतियों ने आयोजन में चार चांद लगा दिए। अंत में सभी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

## जीनियस प्लानेट स्कूल में देशभक्ति के रंग में रंगा स्वतंत्रता दिवस समारोह

**इटारसी।** न्यास बायपास रोड स्थित जीनियस प्लानेट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 80वां स्वतंत्रता दिवस उत्साह, उमंग और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित मुख्य समारोह में अतिथियों ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद राष्ट्रगान के साथ पूरा परिसर भारत माता की जय के नारों से गुंज उठा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अधिवक्ता रमेश कुमार साहू, अधिवक्ता अशोक शर्मा एवं अधिवक्ता पारस जैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से किया गया। संस्था के निदेशक जाफर सिद्दीकी, श्रीमती मनीता सिद्दीकी एवं प्राचार्य श्रीमती समता छिकरान ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। वहीं लार्यस क्लब समर्पण के अध्यक्ष एवं उपस्थित सदस्यों का स्वागत विद्यालय के हेड बॉय एवं हेड गर्ल द्वारा किया गया। ध्वजारोहण के बाद विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, नृत्य एवं भाषणों की आकर्षक प्रस्तुतियां देकर स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया। बच्चों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों का मन मोह लिया।

## ट्रेनों में चोरी करने वाले दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

सीसीटीवी और साइबर तकनीक से जीआरपी इटारसी ने सुलझाए चोरी के पांच मामले, 1.67 लाख रुपए के जेवरात व नकदी बरामद



**इटारसी।** यात्री ट्रेनों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले दो शातिर बदमाशों को जीआरपी इटारसी ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान की गई और उन्हें नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया। पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में दिल्ली, मथुरा, आगरा, झांसी और इटारसी सहित अन्य स्थानों पर चोरी की वारदातों करना स्वीकार किया। आरोपियों की पहचान राशीद उर्फ मोनू, उम्र 24 वर्ष, निवासी बागपत उत्तरप्रदेश तथा सलमान उर्फ समीर, उम्र 32 वर्ष, निवासी झांसी उत्तरप्रदेश के रूप में हुई है। दोनों को 12 अगस्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया था। पुलिस रिमांड के दौरान से करीब 30 मिनट पहले नौद खुलने पर पर्स गायब मिला। इस मामले में जीआरपी इटारसी ने अपराध क्रमांक 555/26 धारा 305(सी) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

**सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों तक पहुंची पुलिस-**मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक संजय चौकसे के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने भोपाल, रानी

कमलापति, इटारसी और नर्मदापुरम रेलवे स्टेशनों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया। साइबर सेल की मदद से सदिश्यों की पहचान की गई और उन्हें नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया। पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में दिल्ली, मथुरा, आगरा, झांसी और इटारसी सहित अन्य स्थानों पर चोरी की वारदातों करना स्वीकार किया। आरोपियों की पहचान राशीद उर्फ मोनू, उम्र 24 वर्ष, निवासी बागपत उत्तरप्रदेश तथा सलमान उर्फ समीर, उम्र 32 वर्ष, निवासी झांसी उत्तरप्रदेश के रूप में हुई है। दोनों को 12 अगस्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया था। पुलिस रिमांड के दौरान से करीब 30 मिनट पहले नौद खुलने पर पर्स गायब मिला। इस मामले में जीआरपी इटारसी ने अपराध क्रमांक 555/26 धारा 305(सी) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

**पांच मामलों में 1.67 लाख का माल बरामद-**आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने अलग-अलग मामलों से संबंधित सोने के मंगलसूत्र, सोने के पेंडल, सोने की गुरिया और नकदी बरामद की। बरामद कुल मशरूका की कीमत 1 लाख 67 हजार 800 रुपए बताई गई है।

**गहरी नौद में यात्रियों को बनाते थे**

**निशाना-**पुलिस के अनुसार आरोपी रात करीब 1 बजे से सुबह 5 बजे के बीच वारदात करते थे। जब यात्री गहरी नौद में होते, तब उनके सिरहाने रखे मोबाइल-पर्स अथवा सीट के नीचे रखे कीमती बैग को बेहद सफाई से उठा लेते थे। चोरी के तुरंत बाद ट्रेन के अगले बड़े स्टेशन का इंतजार करने के बजाय ट्रेन के धीमा होते ही आउटर या छोटे स्टेशन पर उतरकर फरार हो जाते थे। पुलिस जांच में दोनों आरोपियों के पुर्व आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार सलमान उर्फ समीर को चार तथा राशीद उर्फ मोनू के 14 आपराधिक रिकॉर्ड पाए गए हैं। दोनों आरोपियों को 16 अगस्त को न्यायालय के आदेश पर न्यायिक अधिरक्षा में जिला जेल नर्मदापुरम भेज दिया गया।

**पुलिस टीम को पुरस्कार देने की घोषणा-**पूरी कार्रवाई थाना प्रभारी जीआरपी इटारसी निरीक्षक संजय चौकसे के नेतृत्व में विशेष टीम ने की। इसमें पुलिस, साइबर सेल, निर्यंत्रण कक्ष तथा आरपीएफ के अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे। पुलिस अधीक्षक ने सफल कार्रवाई करने वाली टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

## देशभक्ति गीतों से सजी स्वतंत्रता दिवस की शाम, इटारसी के कलाकारों ने बांधा समां



**इटारसी।** स्वतंत्रता दिवस की संस्था पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में इटारसी के अनेक गणमान्य नागरिकों और स्थानीय कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से ऐसा समां बांधा कि पूरा माहील देशभक्ति और संगीत से सराबोर हो गया। कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने स्वतंत्रता दिवस की शाम को यादगार बना दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत विजय राव नाईक ने अपनी खूबसूरत आवाज में 'मेरी जान तिरंगा है' गीत की प्रस्तुति से की। इसके बाद युवा तरुणई के जगदीश जुनानिया ने 'कर चले हम फिदा जान-तन साथियो' प्रस्तुत कर देशभक्ति का जोश जगाया। कादिर खान ने 'मेरे देश प्रेमियों' गीत अपनी मनमोहक आवाज में प्रस्तुत किया। रामनाराय भूमरकर ने 'मेरे देश प्रेमियो, आपस में प्रेम करो' गीत से भाईचारे और एकता का संदेश दिया। रेलवे कर्मचारी नवीन गुप्ता ने 'ओ हंसिनी, कहां उड़ चली' की प्रस्तुति

दी। पं. शिवकुमार दुबे ने 'ये क्या हुआ, कैसे हुआ, कब हुआ' गीत सुनाकर श्रोताओं की खूब तालियां बटोरें। पप्पू अलावरी ने अपने बेहतरीन अंदाज में 'जिंदगी के सफर में गुजर जाते हैं जो मुकाम' प्रस्तुत किया, वहीं नितेश जायसवाल ने 'एक प्यार का नगमा है' गीत से माहील को सुरीला बना दिया। इटारसी के जाने-माने क्रिकेटर अमिताभ दुबे ने 'तेरे जैसा यार कहां, कहां ऐसा याराना' प्रस्तुत कर खूब वाहवाही लूटी। बाबई से आए मनोज पाराशर ने 'हर करम अपना करेंगे, ए वतन तेरे लिए' गीत से देशभक्ति की भावना को और मजबूत किया। राजेश मालवीय ने भी अपनी प्रस्तुति से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कलाकारों की प्रस्तुतियों की जमकर सराहना की। देशभक्ति गीतों, भाईचारे और एकता का संदेश दिया। रेलवे कर्मचारी नवीन गुप्ता ने 'ओ हंसिनी, कहां उड़ चली' की प्रस्तुति



स्वामी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विनोद सिंह तोमर द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स एमपी नगर जोन-1 भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं 87, पुट्टामिट गेट के सामने, छोला रोड, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से प्रकाशित। संपादक : विनोद सिंह तोमर मो. 7067515898, स्थानीय- संपादक संजय सक्सेना RNI NO. MPIN/2015/61965 ( सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा। )